सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

"समय और भाग्य दोनों परिवर्तनशील है इसलिए अच्छे समय में अभिमान और कठिन समय में चिंता न करें, दोनों बदलेंगे जरुर...!!

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–264 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, सोमवार 12 अक्टूबर 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य –2 रुपए

नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी को उनके प्रिय जरूर अर्पित करें। धार्मिक मान्यता है कि ऐसा करने से देवी मां प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को मनोवांछित फल देती हैं।

मां दुर्गा का आगमन हो चुका है। सोमवार को शारदीय नवरात्रि का दूसरा दिन है। दूसरे दिन माता दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, जो भी भक्त माता रानी की सच्चे मन से आराधना करते हैं उसकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र पूरी हो जाती हैं। देवी ब्रह्मचारिणी की कृपा से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं। तो आइए अब जानते हैं कि नवरात्रि के दूसरे देवी मां कौनसे फूल अर्पित करने चाहिए और पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा।

मां ब्रह्मचारिणी को चढ़ाएं उनके प्रिय फूल

नवरात्रि का दूसरा मां ब्रह्मचारिणी को समर्पित है। इस दिन देवी मां की विधिपूर्वक पूजा करने के साथ उनके प्रिय फूल भी जरूर अर्पित करें। मान्यताओं के अनुसार, मां ब्रह्मचारिणी को गुड़हल और चमेली का फूल अति प्रिय है। तो नवरात्रि के दूसरे दिन देवी मां को इन दोनों फूल में से कोई एक भी जरूर अर्पित करें। देवी ब्रह्मचारिणी की आराधना करने से जीवन में आत्मविश्वास और धैर्य में वृद्धि होती है।

मां ब्रह्मचारिणी का स्वरूप

सफेद वस्त्र धारण किए हुए मां ब्रह्मचारिणी के दो हाथों में से दाहिने हाथ में जप माला और बाएं हाथ में कमंडल है। इनकी पूजा से व्यक्ति के अंदर जप-तप की शक्ति बढ़ती है। मां ब्रह्मचारिणी अपने भक्तों को संदेश देती हैं कि परिश्रम से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नारद जी के उपदेश से मां ब्रह्मचारिणी ने भगवान शंकर को प्रसन्न करने के लिए कठिन तपस्या की थी, इसलिए इन्हें तपश्चारिणी भी कहा जाता है। मां ब्रह्मचारिणी कई हजार वर्षों तक जमीन पर गिरे बेलपत्रों को खाकर भगवान शंकर की आराधना करती रहीं और बाद में उन्होंने पत्तों को खाना भी छोड़ दिया, जिससे उनका एक नाम अपर्णा भी पड़ा। देवी मां हमें हर स्थिति में परिश्रम करने की और कभी भी हार न मानने की प्रेरणा देती हैं।

मां ब्रह्मचारिणी पूजा विधि

नवरात्रि के दूसरे दिन प्रात :काल उठकर स्नान आदि कर साफ-सुथरे कपड़े पहन लें।

इसके बाद मंदिर को साफ कर और चारों तरफ गंगाजल छिड़क लें।

अब माता रानी को फूल, चंदन, अक्षत, रोली, पान, सुपारी और लौंग अर्पित करें।

मां ब्रह्मचारिणी को पंचामृत और चीनी या गुड़ वाली मिठाई का भोग लगाएं।

मां ब्रह्मचारिणी की आरती करें और मंत्रों का जाप करें।

जंतर-मंतर सुनवाई के लिए छुट्टी के दिन खुला सुप्रीम कोर्ट, पुलिस से मांगा जवाब

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

दिल्ली में सीजेपी के प्रदर्शन पर लगी सख्त पाबंदियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को छुट्टी के दिन सुनवाई की। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कहा कि शांतिपूर्ण, निहत्थे लोगों को अवैध तरीके से हिरासत में न लिया जाए। जहां बीएनएस की धारा 163 लागू नहीं है, वहां सभा होने दी जाए।

कोर्ट ने गृह मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और डीएमआरसी अध्यक्ष को नोटिस जारी किया। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ताओं ने प्रथमदृष्टया अवमानना का मामला बनाया है। सरकार को निर्देश दिया कि मेट्रो और रेल सेवाएं टाइम-टेबल से चलें, ट्रैफिक के लिए बैरिकेडिंग की समीक्षा हो और इंटरनेट सेवाएं बहाल की जाएं। साथ ही वकीलों, पत्रकारों और आम लोगों को काम से न रोका जाए।

दूसरे दिन भी 200 से ज्यादा हिरासत में

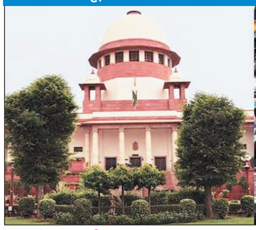

दूसरे दिन भी धरपकड़, तिरंगा मार्च रोका गया

भारी सुरक्षा के बीच रविवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे 200 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। कनॉट प्लेस इनर सर्कल, राजीव चौक और आरके आश्रम मेट्रो स्टेशन पर कई लोगों को खींचकर पुलिस बसों में ले जाया गया। एसएफआई ने आरोप लगाया कि माकपा सांसद जॉन बिटास पर हमला किया गया।

शांति की शर्त पर रिहा हुए दिपके, रांका और सौरव

सीजेपी के अभिजीत दिपके, आशुतोष रांका और सौरव दास को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया। एक साल तक शांति और अच्छे व्यवहार की शर्त व 50 हजार के मुचलके पर उन्हें रिहा किया गया। शनिवार को उन्हें एहतियातन गिरफ्तार किया गया था। रिहाई के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों ने कहा कि सीईसी के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा और प्रदर्शन देशभर में फैलाया जाएगा। दिल्ली पुलिस ने शनिवार के प्रदर्शन को लेकर 20 एफआईआर दर्ज की हैं, जिनमें पुलिसकर्मियों पर हमला और सरकारी काम में बाधा के आरोप हैं। पुलिस ने सीजेपी के उस दावे को भी गलत बताया कि दिपके को दादी के निधन की सूचना नहीं दी गई और इस संबंध में वीडियो जारी किया।

विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट मार्च

सीजेआई सूर्यकांत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को सोमवार को मिलने का समय देने से इनकार कर दिया। सूत्रों के अनुसार सीजेआई ने कहा कि ज्ञापन के बजाय याचिका दायर करें। विपक्ष ने सोमवार दोपहर 1:30 बजे कनॉट प्लेस से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का ऐलान किया है।

नागा-कुकी खूनी संघर्ष में 10 मौतें दो पहाड़ी जिलों में गोली का खौफ

विशेष संवाददाता / गुवाहाटी

मणिपुर में नागा और कुकी समुदायों के बीच खूनी संघर्ष के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण हैं। रविवार को 10 मौतों के बाद कांगपोकपी और कामजोंग समेत पहाड़ी जिलों में 24 घंटे का कर्फ्यू लागू रहा, बाजार पूरी तरह बंद रहे और लोग घरों में कैद हो गए। हिंसा पर काबू पाने के लिए संवेदनशील इलाकों में सीआरपीएफ, असम राइफल्स, कोबरा बटालियन और मणिपुर पुलिस कमांडो की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। पुलिस के अनुसार उपद्रवियों की धरपकड़ के लिए माकुई अशांग, तपोन, चसाड जैसे अति-संवेदनशील क्षेत्रों में घर-घर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

'पूरी रात गोलियां गूंजती रहीं'

सीमावर्ती गांव के निवासी डेविड जॉन्सन ने बताया, "हम कल से घरों में कैद हैं। बाहर भारी फोर्स है, फिर भी पूरी रात गोलियां गूंजती रहीं। सुबह भी बफर जोन वाले गांवों में गोलीबारी हुई। इतनी फोर्स के बावजूद उग्रवादी आसानी से आकर बस्तियां जला रहे हैं।" कामजोंग में म्यांमार से आए संदिग्ध उग्रवादियों ने पूरी बस्ती जला दी। सुरक्षा बलों के पहुंचने पर ही नुकसान का पता चला।

बाजार बंद, अतिरिक्त बल किया गया तैनात

चार जिलों तक फैला संघर्ष

नागा-कुकी संघर्ष पहले उखरुल जिले तक सीमित था, लेकिन अब कांगपोकपी, सेनापति, तामेंगलांग और कामजोंग जिलों तक फैल चुका है। इन जिलों में दोनों समुदाय साथ रहते हैं। अब दोनों पक्ष एक-दूसरे पर उग्रवादियों को पनाह देने और जमीनी वर्चस्व कायम करने का आरोप लगा रहे हैं।

17 दिन में दूसरी बार बाहरी उग्रवादियों की एंट्री

पुलिस सूत्रों के मुताबिक 24 सितंबर को पिलोंग में तांगखुल नागाओं की हत्या में 'कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा' और म्यांमार स्थित पीडीएफ गुटों का नाम सामने आया था। शनिवार को सीमा पिलर 102 के पास चसाड में के एन ए- बी के 3 उग्रवादी मारे गए। 2021 में म्यांमार तख्तापलट के बाद से उग्रवादी भारत में घुसकर लगातार हमले कर रहे हैं।

बीएसपी से लोहा चोरी की खबरें भ्रामक, CISF की कड़ी सुरक्षा में चोरी असंभव : ट्रक-ट्रेलर एसोसिएशन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र से लोहा चोरी की खबरों को भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है। एसोसिएशन के महासचिव मलकीत सिंह उर्फ लल्लू सिंह ने प्रेस को जारी बयान में कहा, "बीएसपी में उक्रत्र्र की कड़ी निगरानी और जांच सुरक्षा व्यवस्था लगी हुई है, जिसके बीच प्लांट से चोरी होने की बिल्कुल भी संभावना नहीं है।"

मलकीत सिंह ने स्पष्ट किया कि एसोसिएशन की किसी भी गाड़ी को आज तक चोरी करते हुए अथवा सेल का लोहा बेचते हुए नहीं पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि बिना जांच के एसोसिएशन का नाम इस मामले में जोड़ा जाना गलत है।

पांडे कबाड़ी के यहां मिले लोहे पर सफाई

पांडे कबाड़ी के गोदाम में सेल का लोहा मिलने के मामले पर उन्होंने कहा, "यह लोहा सेल के अधिकृत ट्रेडर्स के गोदाम से दूसरे राज्यों में ले जाने वाली गाड़ियों से चोरी होने की संभावना है, जिसकी जांच होनी चाहिए। एसोसिएशन इस प्रकार की चोरी का पूर्णतः विरोध करता है।" उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और बिना सबूत ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन को बदनाम न किया जाए।

पूर्व IAS दिव्या मित्तल का राजनीति में एंट्री के बाद मिजार्पुर में भव्य स्वागत, 'दिव्या दीदी जिंदाबाद' के लगे नारे

मिजार्पुर। यूपी की चर्चित पूर्व आईएएस अफसर दिव्या मित्तल ने राजनीति में उतरने के ऐलान के बाद रविवार को पहली बार मिजार्पुर पहुंचीं, जहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। जिस जिले में वह डीएम रह चुकी हैं, वहीं के लोगों ने उन्हें गुलाब के फूलों से लाद दिया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही दिव्या मित्तल की कार रुकती है, युवकों का समूह 'दिव्या दीदी जिंदाबाद' के नारे लगाने लगता है। कई लोग भावुक होकर उनके पैर छूते नजर आए। महिलाओं ने उन्हें गुलाब की मालाएं पहनाईं और पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भव्य स्वागत से दिव्या मित्तल काफी आह्लादित नजर आईं।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही दिव्या मित्तल ने सोशल मीडिया के जरिए राजनीति में आने का ऐलान किया था। मिजार्पुर में डीएम रहते हुए दिव्या मित्तल ने कई सराहनीय कार्य किए थे। उन्होंने लहुरिया दह गांव में आजादी के 75 साल बाद पहली बार पानी पहुंचाया था। पानी न होने की वजह से इस गांव में कोई भी अपनी बेटी की शादी करने को तैयार नहीं होता था। अपनी सख्त कार्यशैली और जनहित के फैसलों के लिए वह जिले में काफी लोकप्रिय रही हैं।

आरंग के ग्राम बिरबिरा में दोहरे हत्याकांड का खुलासा

जादू-टोना के शक में पड़ोसी ने किया बुजुर्ग दंपति का कत्ल, 48 घंटे में पुलिस ने सुलझाई गुत्थी

नई दृष्टिबिंदु / आरंग-रायपुर

थाना आरंग के ग्राम बिरबिरा में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने महज 48 घंटे में खुलासा कर दिया है। एक साल पहले मां की मौत को जादू-टोना से जोड़कर शक पाल रहे पड़ोसी युवक ने बुजुर्ग दंपति की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी और जेवरात लूट लिए।

क्या है पूरा मामला – 08 अक्टूबर 2026 को ग्राम बिरबिरा के सरपंच चम्मन लाल साहू ने थाना आकर सूचना दी कि गांव के सदाशी साहू और उनकी पत्नी आसबती साहू की किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर हत्या कर दी है। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक नरेश साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड के साथ मौके पर पहुंची। दोनों के शव अलग-अलग कमरों में खून से लथपथ पड़े मिले। इस पर थाना आरंग में अपराध क्रमांक 481/2026 धारा 103(1), 331(7) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

ऐसे पकड़ाया आरोपी -आरंग के ग्राम बिरबिरा में दोहरे हत्याकांड का खुलासाः जादू-टोना के शक में पड़ोसी ने किया बुजुर्ग दंपति का कत्ल, 48 घंटे में पुलिस ने सुलझाई गुत्थीविवेचना के दौरान गांव के ही संदेही प्रमोद उर्फ रॉकी पिता सुशील साहू उम्र 22 वर्ष साकिन बिरबिरा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि एक वर्ष पूर्व उसकी मां की मृत्यु हुई थी। उसे शंका थी कि मृतक दंपति सदाशी और आसबती ने जादू-टोना कर उसकी मां को मारा है। इसी रंजिश को वह मन में पाले हुए था और गांव में इस बात की चर्चा भी करता रहता था। साथ ही उसे पता था कि मृतकों के पास अधिक जमीन है और मृतिका हमेशा सोने-चांदी के जेवर पहनती है।

छत के रास्ते घुसकर की हत्या - आरोपी ने बताया कि 06 अक्टूबर 2026 की रात 11.30 बजे जब घर वाले सो गए, तो वह टंगिया और हंसिया लेकर अपने मकान की छत से प्रहलाद साहू की छत पार कर सदाशी के मकान की छत से नीचे उतरा। पहले कमरे में सो रहे सदाशी के सिर पर टंगिया से वार कर हत्या कर दी, फिर दूसरे कमरे में सो रही आसबती के सिर, गले पर टंगिया से और हंसिया से सीने-पेट पर वार कर निर्मम हत्या कर दी। हत्या के बाद मृतिका के पहने चांदी का कमरबंध, ऐंठी, माला, सोने की खिनवा और घर में रखी अंगूठी, बिछिया, सिक्के लूट लिए। खून लगे हथियारों को नाली में धोकर सफेद बोरी में भरकर तामासिवनी रोड किनारे झाड़ी में छुपा दिया था।

धारा बढ़ाई गई, जेवर बरामद - आरोपी के बयान के आधार पर दर्ज अपराध में धारा 109(6) इठर और छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना अधिनियम की धारा 4,5 जोड़ी गई है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त टंगिया, हंसिया, खून लगी जींस पैंट और लूटे गए समस्त सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए हैं। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

अस्पताल सेक्टर के आवास संकट पर सांसद विजय बघेल की पहल

बेदखली रोकने के लिए बीएसपी को लिखेंगे पत्र

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई के अस्पताल सेक्टर में बेदखली नोटिस के बाद उत्पन्न आवास संकट को सांसद विजय बघेल ने गंभीरता से लिया है। मेहनतकश आवास अधिकार संघ के महासचिव कलादास डेहरिया ने बताया कि सेक्टरवासियों ने सांसद से उनके निवास पर मुलाकात कर अपनी समस्या से संबंधित आवेदन सौंपा।

आवेदन पढ़ने के बाद सांसद बघेल ने मामले को संज्ञान में लेते हुए निवासियों के व्यवस्थापन के लिए पहल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने भिलाई इस्पात संयंत्र के सीजीएम (नगर प्रशासन विभाग) को पत्र लिखकर वर्तमान में चल रही बेदखली की कार्रवाई को स्थगित रखने का अनुरोध करने की बात कही।

सांसद की इस पहल के लिए अस्पताल सेक्टर के निवासियों ने आभार जताया। शाम को अस्पताल सेक्टर में बैठक कर सभी निवासियों को सांसद से हुई चर्चा की जानकारी दी गई। बैठक में तय किया गया कि सोमवार को जिला कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त से मिलकर स्थायी व्यवस्थापन की मांग रखी जाएगी।

नोटिस से विद्यार्थियों और परिवारों में चिंता : डेहरिया ने बताया कि बेदखली के नोटिस के बाद से निवासियों में भय और चिंता का माहौल है। पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं के भविष्य को लेकर परिवार चिंतित हैं। वर्षों से यहां रह रहे गरीब और मेहनतकश परिवारों के सामने घर खोने का संकट है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल सेक्टर के निवासी 2016 से स्थायी व्यवस्थापन की मांग उठा रहे हैं। इस मामले में बिलासपुर हाईकोर्ट से 10 वर्षों के लिए स्थगन आदेश मिलने की बात भी कही गई है। वर्तमान में मामला संपदा न्यायालय, जिला न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। नगर निगम भिलाई द्वारा भी बीएसपी से भूमि उपलब्ध कराने के लिए पत्राचार किया गया है, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकला है। संघ ने सांसद से इस्पात मंत्री और सेल चेयरमैन को भी अवगत कराने का आग्रह किया है। आवास अधिकार के लिए जनजागरण जुलूस भी निकाला गया। कार्यक्रम में अनुसुइया बाई, मेहतरीन बाई, सियाराम, मिथुन, अरुणा सहित सैकड़ों निवासी शामिल हुए।

अंदर की बात

-:: खुलकर ::-

यशवंत साहू, फाउंडर भिलाई टाइम्स

अटकी हुई सरकारी भर्ती, मुश्किल में सरकार...

आरक्षक भर्ती का सेकंड वेटिंग लिस्ट कब...? युवा डेढ़ महीने से आंदोलन कर रहे हैं कवर्धा में...। शिक्षक भर्ती का अटकाने वाला जिम्मेदार कौन... सहायक शिक्षक के 1654 और शिक्षक के 2292 पदों पर होने वाली थी भर्ती...अब मामला हाईकोर्ट में स्टे पर चला गया है...। वैसे ही CGPSC में रिफॉर्म कब...265 पदों पर 2025 में भर्ती हुई लेकिन ये भी अटक गई...D.Ed अभ्यर्थियों को कब मिलेगा न्याय... 10 महीने से नवा रायपुर के तूता में धरना चल रहा है...नियुक्ति की डिमांड कर रहे हैं युवा...। हॉस्टल अधीक्षकों के साथ गजब अन्याय हो गया... महिला एवं बाल विकास विभाग ने युवाओं के साथ गजब अन्याय किया...55 पदों पर हुई थी भर्ती, ज्वाइनिंग अब तक नहीं...। ऐसी भर्तियों की फेहरिश्त बड़ी है, जो अटकी हुई है। सरकार की छवि धुमिल होने में थोड़ी भी देर नहीं हो? रही है।

CJP प्रोटेस्ट की हवा छग में, सरकार अलर्ट मोड पर...

दिल्ली के जंतर-मंतर में CJP के रक्फ़को लेकर चल रहे प्रदर्शन की हवा छत्तीसगढ़ तक तो नहीं पहुंच गयी...क्योंकि यहां भी सुगबुगाहट है कि यहां के युवा भीड़ इकट्ठा कर सकते हैं। बट, छत्तीसगढ़ में पिछले दिनों भी ऐसी सुगबुगाहट थी। तब वो फेल हो गया था। इस बार भी छत्तीसगढ़ में सफल नहीं हो पाएगा। क्योंकि यहां नेतृत्व करने वाला तगड़ा फेस नहीं है। फिर खुफिया विभाग ऐसी जानकारी जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। खैर, सरकार अलर्ट मोड पर है। यहां मुद्दों को बड़ा होने नहीं दे रही है। चिंता वाली बात ये है कि खैरागढ़ संगीत-कला यूनिवर्सिटी में जो छात्र लामबंद हो चुके हैं। प्रदर्शन भी किया था वहां के छात्रों ने। अब देखते हैं हवा किस ओर करवट लेती है।

मंत्री की पत्नी Vlogger, आ रहे निगेटिव कमेंट...

सूबे के एक मंत्री की पत्नी इन दिनों रिल्स में बिजी हैं। वीडियो तो बढ़िया बना रही हैं। छत्तीसगढ़ी उतनी अच्छी तो नहीं है। इसीलिए हिंदी में बोलते हुए डेली व्लाग्स डाल रही है। मंत्री जी क्या खाते हैं?, क्या पीते हैं? सेहतमंद कैसे रहते हैं? इन सारे सवालों के जवाब वीडियो में मिल जाते हैं। लेकिन दुख वाली बात ये है कि उनके वीडियो में निगेटिव कमेंट खूब आ रहे हैं। मंत्री की पत्नी के लिए नहीं, मंत्री जी के लिए निगेटिव कमेंट आ रहे हैं।

BJP विधायक ने कराई तांत्रिक पूजा...

फेसबुक पर RTI एक्टिविस्ट हैं कुणाल शुक्ला...पिछले दिनों तंज कसते हुए एक पोस्ट अपलोड किया था। जिसकी चर्चा तो बनती है आज। भाजपा के विधायक हैं। मंत्री बनना चाहते हैं। हर वो कोशिश कर चुके हैं। अब पहुंच गये मां बग्लामुखी के द्वार पर...क्योंकि उनके भी बहुतें दुश्मन हैं। मंत्री बनने के बाद इन दुश्मनों से निपटने के लिए पूरी तैयारी करके बैठे हैं। बकायदा, नलखेड़ा के बगलामुखी मंदिर में छत्तीसगढ़ के एक विधायक ने मंत्री पद की मनोकामना लेकर तांत्रिक पूजा करवाई है। अब पूजा कितनी असरदार रही, यह तो भविष्य ही बताएगा- लेकिन राजनीति में जब मंत्र, तंत्र और मंत्री पद एक ही वाक्य में आ जाएँ, तो कहानी दिलचस्प हो ही जाती है। देखते हैं—तंत्र मंत्र का कोई परिणाम मिलता है या फिर अगली बार फिर कोई नई पूजा की तारीख निकलती है। फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा कि नहीं ये तो वक्त बताएगा। कहा जा रहा है चार मंत्रियों की छुट्टी होगी। दो नये को मौका मिलेगा और दो सीनियर्स का मंत्रिमंडल में जगह पक्की है। सरगुजा रेंज से चर्चित मंत्री का पैकअप शुरू हो गया है।

इंदिरा मार्केट की व्यवस्था सुधारने सड़क पर उतरीं महापौर बाघमार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट में त्योहारी सीजन के दौरान बाजार की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से महापौर अलका बाघमार ने बाजार एवं राजस्व विभाग प्रभारी शेखर चंद्राकर के साथ बाजार क्षेत्र का निरीक्षण किया। महापौर ने करीब दो घंटे तक इंदिरा मार्केट फूल चौक से कुआं चौक होते हुए इंदिरा गांधी प्रतिमा के आसपास के क्षेत्रों का जायजा लिया और दुकानदारों को निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यवसाय करने की सख्त हिदायत दी।

निरीक्षण के दौरान महापौर अलका बाघमार ने दुकानदारों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी दुकानों का सामान सड़क पर बाहर निकालकर व्यवसाय न करें। दुकान का सामान दुकान के भीतर ही रखें और सड़क की सीमा का पालन करें, ताकि बाजार में आने वाले नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क पर सामान फैलाकर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सामान जब्ती और जुमार्ने की कार्रवाई की जाएगी, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित दुकानदार की होगी।

महापौर ने बाजार विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि इंदिरा गांधी प्रतिमा के आसपास पसरा लगाने वालों को सड़क तक अतिक्रमण करने की अनुमति न दी जाए। बाजार क्षेत्र में नियमानुसार चूने से मार्किंग कराई जाए, ताकि पसरा लगाने के लिए निर्धारित सीमा स्पष्ट रहे और नागरिकों के आने-जाने के लिए पर्याप्त रास्ता उपलब्ध हो।

खास खबर

बढ़ी मांग के बीच 6300 मेगावाट तक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित, पीक आवर्स में एक्सचेंज से खरीद रही सरकार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

देशभर में बिजली की बढ़ती मांग के बीच छत्तीसगढ़ में उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली आपूर्ति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं। रविवार शाम को प्रदेश में बिजली की मांग बढ़कर 6300 मेगावाट तक पहुंच गई, जिसकी आपूर्ति सुनिश्चित की गई। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि उमस भरे मौसम, कृषि पंपों के बढ़ते संचालन और एयर कंडीशनर सहित अन्य विद्युत उपकरणों के अधिक उपयोग से खपत बढ़ी है। सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं को निरंतर और गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने बताया कि पीक आवर्स में आपूर्ति बनाए रखने के लिए आवश्यकता पड़ने पर पावर एक्सचेंज से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की दर पर भी बिजली खरीदी जा रही है। पिछले सप्ताह उत्तर प्रदेश से 200 मेगावाट बिजली प्राप्त की गई थी। वर्तमान में मांग के अनुसार एक्सचेंज से 100 से 700 मेगावाट तक अतिरिक्त बिजली खरीदी जा रही है। हाल में हरियाणा में बारिश के कारण वहां उपलब्ध अतिरिक्त बिजली का लाभ भी एक्सचेंज के माध्यम से छत्तीसगढ़ को मिला है। देशभर में मांग बढ़ने से अतिरिक्त बिजली की उपलब्धता पर दबाव बना हुआ है। पंजाब, गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित कई राज्यों में बिजली की उपलब्धता को लेकर दबाव की स्थिति है। ऐसे में उपलब्ध बिजली का समुचित प्रबंधन महत्वपूर्ण हो गया है।

प्रदेश में धान की सिंचाई के लिए बड़ी संख्या में कृषि पंपों का संचालन हो रहा है, साथ ही उमस के कारण घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कूलिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ा है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी उमस भरा मौसम बने रहने की संभावना है, ठंडक आने के बाद खपत में कमी की उम्मीद है। श्री कंवर ने कहा कि मांग और उपलब्धता की लगातार निगरानी की जा रही है। ग्रिड की सुरक्षा और संतुलन बनाए रखते हुए कृषि, घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को विश्वसनीय आपूर्ति देना कंपनी की प्राथमिकता है।

निगम परिसर में विराजी माँ दुर्गा, नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ

महापौर अलका बाघमार ने माँ दुर्गा मंदिर में प्रज्वलित की अखंड ज्योति, देवी जयकारों से गूंजा निगम परिसर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर स्थित माँ दुर्गा मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान के साथ नवरात्र महोत्सव का शुभारंभ हुआ। महापौर अलका बाघमार ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों एवं निगम परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में अखंड ज्योति कलश प्रज्वलित कर माँ दुर्गा की आराधना की। इस दौरान नगर की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई।

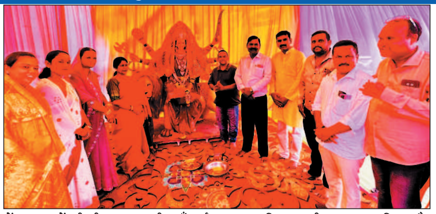

नवरात्र के पहले दिन से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। माँ दुर्गा के जयकारों से पूरा निगम परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंगोली और पुष्प सजावट ने धार्मिक वातावरण को और भी मनोहारी बना दिया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नवरात्र शक्ति, साधना और भक्ति का पर्व है। यह पर्व हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। माँ दुर्गा की आराधना से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, सद्भाव और सेवा की भावना का संचार होता है। उन्होंने नगर की सुख-शांति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए माँ दुर्गा से प्रार्थना की।

लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने कहा कि नवरात्र के इस पावन अवसर पर नगर निगम परिवार समस्त नगरवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करता है। माँ दुर्गा की कृपा से दुर्ग शहर निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़े और नगरवासियों के जीवन में सुख-शांति बनी रहे, यही सभी की सामूहिक प्रार्थना है। पूजा-अर्चना एवं अखंड ज्योति प्रज्वलन के अवसर पर एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नरेंद्र बंजारे, लीलाधर पाल, शशि साहू, हर्षिका जैन, रंजीता पाटिल एवं जितेंद्र ताम्रकर सहित सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, लता यादव, हेमलता वर्मा, किरण अग्रवाल, साक्षी चौहान, चित्रलेखा चंद्राकर, प्रिंसी शर्मा, मुन्ना यादव और दामिनी भुवाल सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा उत्सव में दिखा भक्ति का अनोखा रंग : माताओं का हुआ अद्भुत और अलौकिक मिलन

शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आज शहर में आस्था, श्रद्धा और प्रेम का एक ऐसा अद्भुत और अलौकिक नजारा देखने को मिला, जिसने श्रद्धालुओं की आँखों को नम और दिलों को भक्ति से सराबोर कर दिया। क्षेत्र की दो सबसे प्रतिष्ठित श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति एवं श्री सत्तीचौरा मां दुर्गा मंदिर समिति, दुर्ग की 'माताओं' का भव्य मिलन संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक और भावुक पल के साक्षी सैकड़ों भक्त बने। यह दोनों माताओं का मिलन की परंपरा विगत 49 वर्षों से जारी है।

गंजपारा के पुराने लोगों के माने तो यह पहले गंजमंडी में स्थापित होने वाली माता की प्रतिमा के साथ विराजमान होती थीं। दोनों को बहनों की तरह माना जाता है। बाद में अलग से समिति का गठन हुआ। आज भी प्रतिमा की स्थापना के दौरान दोनों प्रतिमाओं को आमने-सामने से होकर एक बार अवश्य गुजारा जाता है। फिर उसके बाद पंडाल में विराजमान किया जाता दोनों समिति के बुजुर्ग बताते है कि जब तक यह दोनों बहन एक दूसरे को देख नही लेते तब तक वे पण्डाल में विराजमान नही होते जिसका कई बार प्रत्यक्ष प्रमाण भी मिला है जो माता को 10 लोग गाड़ी में चढ़ा और उतार देते है और अगर ये बहने एक दूसरे को नही देखते है तो उसी माताओं को 100 लोग मिलकर भी गाड़ी से उतार चढा नही सकते, यह प्रमाणित हुआ है।

भक्तिमय माहौल में हुआ भव्य स्वागत शंखध्वनि, ढोल-नगाड़ों की थाप और 'जय माता दी' के गगनभेदी जयकारों के बीच जब दोनों समितियों का कारवां शनिचरी बाजार चौक पर आमने-सामने पहुंचा, तो पूरा माहौल अलौकिक ऊर्जा से भर गया। दोनों ओर से पुष्पवर्षा की गई और जिले के विद्वान आचार्यों के द्वारा गंगा आरती स्वरूप दोनों माताओं की महाआरती उतारी गई। जिसमें अंबे तू है जगदम्बे काली वाली आरती म्यूजिक एवं संगीत के साथ की गई, इस मिलन को देखने के लिए सड़क के दोनों ओर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा।

दोनों समितियों के मनोज शर्मा एवं विकाश पुरोहित ने बताया कि यह केवल दो समितियों का मिलन नहीं, बल्कि दो क्षेत्रों की साझा संस्कृति, आपसी सौहार्द और अटूट आस्था का प्रतीक है। इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने कहा, "आज का यह मिलन साक्षात मां भगवती की इच्छा से ही संभव हो पाया है। यह दृश्य इतना दिव्य था कि मानो साक्षात देवलोक धरती पर उतर आया हो। हम इस परंपरा को आगे भी इसी तरह प्रेम और सद्भावना के साथ निभाते रहेंगे।"

इस कार्यक्रम में विशेष रूप से अरुण वोरा, राजेन्द्र साहू, धीरज बाकलीवाल, चतुर्भुज राठी, अशोक राठी, अजय शर्मा, गौतम जैन, गोपाल शर्मा, नवल अग्रवाल, महेश टावरी, शैलेश तिवारी, रवि पीडियार, राजेश शर्मा, सुरेश गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, घनश्याम पंड्या, नरेंद्र शर्मा, विजय जैन, गुड्डू कश्यप, डब्बू चंद्रवंशी, अमित यादव, मनीष दुबे, राहुल शर्मा, मनोज गुप्ता, ललित शर्मा, राजू पुरोहित, सतबीर शर्मा, विवेक मिश्रा, विकेश मिश्रा, राहुल दुबे, निर्मल शर्मा, लक्की अग्रवाल, ओमप्रकाश टावरी, ईशान शर्मा, अर्जित शुक्ला , मनोज गुप्ता लाला, विनय मिश्रा, ऋषि गुप्ता सहित सैकड़ों धर्म प्रेमी समित्ति के सदस्य उपस्थित थे।

नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर, विधायक ललित चंद्राकर ने स्वास्थ्यकर्मियों को किया सम्मानित

नई दृष्टिबिंदु / उतई-दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी उतई मंडल के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कातरो स्थित ग्राम पंचायत परिसर में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और स्वास्थ्य शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। विधायक चंद्राकर ने स्वयं भी ब्लड टेस्ट सहित स्वास्थ्य परीक्षण कराकर लोगों को नियमित जांच के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

शिविर में ग्रामीणों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच, आंखों की जांच, सामान्य चिकित्सा परामर्श तथा आवश्यक दवाइयों के वितरण की व्यवस्था की गई थी। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को विधायक ललित चंद्राकर ने स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि वे दिन-रात जनसेवा में जुटे रहते हैं और समाज को स्वस्थ रखने में उनकी महत्वपूर्ण

भूमिका है। अपने संबोधन में विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि ग्राम कातरो में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में शामिल होकर उनका मन गदगद हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मंत्र सेवा, समर्पण और जनकल्याण है। इसी भावना के साथ प्रदेश की डबल इंजन भाजपा सरकार जनहित में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। सरकार आयुष्मान भारत, महतारी वंदन योजना और निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों जैसी जनकल्याणकारी पहलों के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि गांव के अंतिम व्यक्ति तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचें और लोगों को उपचार के लिए शहरों के चक्कर न लगाने पड़ें।

विधायक ने उतई मंडल की पूरी टीम को ग्राम पंचायत स्तर पर इस सराहनीय आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्यकर्मी स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं, जो निरंतर सेवाभाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उनका सम्मान करना हम सभी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की अपील भी की।

इस अवसर पर ग्राम कातरो के सरपंच जितेंद्र सोनी, महामंत्री प्रवीण यदु, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, उतई सोसायटी अध्यक्ष फत्ते लाल वर्मा, मचांदुर सोसायटी अध्यक्ष फलेन्द्र सिंह राजपूत, शुभम वर्मा, कन्हैयालाल साहू, उपसरपंच पुष्पलता साहू, बसंत देवांगन, बलवीर, मुहपाल साहू, कृष्णा साहू, होलकर दास मानिकपुरी, नन्दलाल साहू, घनश्याम साहू, बीरम साहू एवं सेवती साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों के घोटाले का संदेह, प्रोत्साहन राशि में हुआ बड़ा गड़बड़झाला - प्रदेशभर में होगी जांच

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में करोड़ों रुपए के घोटाले का संदेह सामने आया है। कैंसर, टीबी की स्क्रीनिंग सहित 12 तरह के काम करने वाले कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में बड़े पैमाने पर अनियमितता की शिकायत के बाद राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने प्रदेशभर में जांच के आदेश दिए हैं। एनएचएम के अपर संचालक ने सभी सीएमएचओ से जांच कर प्रतिवेदन मांगा है।

क्या है मामला ?

प्रदेशभर में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी यानी सीएचओ पदस्थ हैं। इन्हें 16 हजार 500 रुपए मानदेय दिया जाता है और एनसीडी कार्यक्रम, कैंसर, कुष्ठ, टीबी की स्क्रीनिंग के साथ गर्भवती महिलाओं की देखभाल सहित 12 तरह के काम की जिम्मेदारी होती है। इसके एवज में विभाग इन्हें 5 हजार से 15 हजार रुपए तक हर महीने प्रोत्साहन राशि (इंसेंटिव) प्रदान करता है। इसी राशि के वितरण में गड़बड़ी का संदेह है।

मुख्यालय में नहीं रहते, फिर भी मिल रहा इंसेंटिव

शिकायतों के मुताबिक, कई सीएचओ मुख्यालय में निवास नहीं करते, समय पर ड्यूटी पर नहीं जाते, विभाग की ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को पूरा नहीं करते और अधिकतर समय ड्यूटी से गायब रहते हैं। इसके बावजूद उन्हें हर महीने प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया जा रहा है, जिसका आंकड़ा हर महीने करोड़ों रुपए में है।

विभाग ने इसे घोटाले की श्रेणी में रखते हुए इंसेंटिव भुगतान में अनियमितता की नियमानुसार जांच, लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई और जांच प्रतिवेदन एनएचएम राज्य कार्यालय को भेजने का आदेश सभी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को दिया है।

टारगेट दिखाने का खेल

सूत्रों के अनुसार, सीएचओ जिला और विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक के निर्देश पर काम करते हैं। स्वास्थ्य योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने और विभागीय टारगेट पूरा कर परफार्मेंस दिखाने का दबाव होता है। आरोप है कि आंकड़ों का खेल कर कुछ चुनिंदा सीएचओ टारगेट पूरा दिखाते हैं और इसके बदले उन्हें ज्यादा इंसेंटिव दिया जाता है।

बेमेतरा से उठा था मामला

कुछ समय पहले बेमेतरा जिले में कुछ सीएचओ द्वारा गलत तरीके से प्रोत्साहन राशि आहरित करने का मामला सामने आया था। उस दौरान कुछ सीएचओ का वेतन रोकने की कार्रवाई भी हुई थी, लेकिन विरोध-प्रदर्शन के बाद मामला ठंडा पड़ गया था। अब शनिवार को एनएचएम मुख्यालय से पूरे प्रदेश में जांच का आदेश जारी कर दिया गया है।

एकल गायन स्पर्धा का भव्य आयोजन प्रतिभागियों ने भजनों से बांधा समां

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ के बैनर तले श्रमण संघ महिला मंडल द्वारा एकल गायन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। मानव मिलन के संस्थापक, नेपाल केसरी, राष्ट्र संत परम पूज्य मणिभद्र मुनि जी महाराज के पावन सानिध्य तथा पुनीत मुनि जी महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में लगभग 45 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में बच्चों से लेकर वरिष्ठ नागरिकों तक महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने अपनी मधुर आवाज में शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतियोगिता को चार आयु वर्गों में विभाजित किया गया था, ताकि सभी आयु वर्गों के प्रतिभागियों को अपनी गायन प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। 5 से 15 वर्ष प्रथम स्थान रूही,द्वितीय स्थान वृषा जैन, तृतीय स्थान संयमी जैन, द्वितीय वर्ग — 15 से 30 वर्ष प्रथम स्थान आकांक्षा जैन,द्वितीय स्थान काजल पारख, तृतीय स्थान युक्ता बोहरा, तृतीय वर्ग — 30 से 50 वर्ग में प्रथम स्थान टीकम छाजेड़, द्वितीय स्थान अमित गोलछा, तृतीय स्थान रोमा पारख, चतुर्थ वर्ग — 50 वर्ष से अधिक प्रथम स्थान श्रीमती कविता कर्णावट, द्वितीय स्थान बसंत छत्तीसा बोहरा, तृतीय स्थान पुष्पा जी जैन सांड। इसके अतिरिक्त श्रीमती कंचन देवी मारोटी को विशेष सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

शहरी परिवहन नए अध्याय की ओर, 240 ई-बसों से आरामदायक, किफायती और प्रदूषणमुक्त सफर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव की मौजूदगी में हुआ कंसेशन एग्रीमेंट, हरित शहर और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को मिलेगा बढ़ावा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और कोरबा में 240 इलेक्ट्रिक बसों को सड़कों पर उतारने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में चारों नगर निगमों और चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। इन चारों शहरों ने ई-बस संचालन शुरू करने की दिशा में आज बड़ा कदम बढ़ाया है। विभाग आगामी नवम्बर में बिलासपुर और भिलाई में 20-20 ई-बसों का संचालन प्रारंभ करने की तैयारी में है।

नागरिकों को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिलेगी : उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवा रायपुर में अपने निवास कार्यालय में आयोजित कंसेशन एग्रीमेंट हस्ताक्षर कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधुनिक आधारभूत सुविधाओं के विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा स्वच्छ, हरित और विकसित भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। बढ़ते शहरीकरण के साथ यातायात, वायु प्रदूषण और ईंधन की खपत जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं। इलेक्ट्रिक बसों से ऊर्जा दक्षता बढ़ेगी, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता और ध्वनि प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, दर्शनीय स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों तक सुविधाजनक आवागमन उपलब्ध कराना जरूरी है। ई-बस सेवा से नागरिकों को बेहतर परिवहन विकल्प मिलेगा और शहरों को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी। इसके लिए योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और विभागों के बीच समन्वय आवश्यक है।

रायपुर में 100, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 50-50 तथा कोरबा में 40 बसें चलेंगी : योजना के प्रथम चरण में रायपुर में 100, दुर्ग-भिलाई में 50, बिलासपुर में 50 और कोरबा में 40 इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना है। निर्धारित लक्ष्य के अनुसार नवम्बर-2026 तक भिलाई और बिलासपुर में प्रतीकात्मक रूप से 20-20 बसों का संचालन शुरू करने की योजना है।

मोबाइल स्कैनर से भुगतान और ऑनलाइन टिकट की सुविधा होगी : यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक ई-बस में छह कैमरे लगाने का प्रावधान है। मोबाइल एप से बसों के रूट की जानकारी भी मिल सकेगी। इलेक्ट्रिक बसों से कार्बन उत्सर्जन घटाने में मदद मिलेगी। वहीं, चार्जिंग स्टेशन, रखरखाव केंद्र और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर : नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कार्यक्रम में योजना के उद्देश्यों और संचालन की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शहरों में बढ़ती आबादी और परिवहन की जरूरतों को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण आवश्यक है। योजना की सफलता के लिए चार्जिंग व्यवस्था, डिपो, बस-स्टॉप और रखरखाव केंद्र सहित आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का विकास, विभागीय समन्वय और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करना जरूरी है। उन्होंने नागरिकों की जरूरतों के अनुरूप परिवहन सुविधाएं विकसित करने तथा संचालन की तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के संचालक नीलेश महादेव क्षीरसागर, राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमीत अग्रवाल और चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पंकज गांधी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

5 नगरीय निकायों के महापौर भी हुए शामिल : ई-बस सेवा वाले नगरीय निकायों और चयनित एजेंसी चार्टर्ड स्पीड लिमिटेड के बीच कंसेशन एग्रीमेंट कार्यक्रम में रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, कोरबा की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, दुर्ग की महापौर श्रीमती अलका बाघमार और बीरगांव के महापौर नंदलाल देवांगन मौजूद थे। रायपुर नगर निगम के आयुक्त संबित मिश्रा, बिलासपुर के आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे, कोरबा के आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरुचि सिंह, दुर्ग की आयुक्त श्रीमती लीना कोसम, रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा और भिलाई-चरोदा के आयुक्त दशरथ सिंह राजपूत भी इस दौरान उपस्थित थे।

खास खबर

महिला सशक्तिकरण से विकसित छत्तीसगढ़ का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और महिला सशक्तिकरण विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का मजबूत आधार है। महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। हमारा लक्ष्य महिलाओं को केवल शासकीय योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रदेश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार और नेतृत्वकर्ता बनाना है। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर में हिंदी खबर द्वारा आयोजित शाइनिंग छत्तीसगढ़ शक्ति स्वरूपा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली महिलाओं का सम्मान किया और उनसे संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में नारी को शक्ति स्वरूपा माना गया है। नवरात्रि मातृशक्ति की आराधना का महापर्व है। हमारी परंपरा में कहा गया है कि जहां नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन से जुड़े अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका जन्म एक साधारण किसान परिवार में हुआ। बचपन में ही पिता का साया उठ जाने के बाद उन्होंने अपनी माता को अनेक कठिनाइयों के बीच परिवार को संभालते और खेती-बाड़ी करते हुए देखा। उनकी माता ने कठिन परिस्थितियों में भी बच्चों की शिक्षा और संस्कारों में कोई कमी नहीं आने दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां के संघर्ष, सेवाभाव, सनातन मूल्यों के प्रति आस्था और परिवार के प्रति समर्पण ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। जनसेवा और जरूरतमंद के प्रति संवेदनशीलता की प्रेरणा उन्हें अपने परिवार और विशेष रूप से अपनी माता से मिली। आज मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाते हुए भी वे उन्हीं संस्कारों को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना के अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी जा रही है। अब तक 32 किस्तों में 20 हजार 700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना केवल आर्थिक सहायता की योजना नहीं है। इस राशि ने महिलाओं को अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता देने के साथ परिवार की निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी और आत्मविश्वास को भी मजबूत किया है। महिलाएं इस राशि का उपयोग बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों, पोषण, घरेलू आवश्यकताओं और बचत जैसे कार्यों में कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि योजना की पात्र कोई भी महिला इसके लाभ से वंचित न रहे। तकनीकी कारणों, दस्तावेजों, आधार अथवा बैंक खाते से जुड़ी त्रुटियों के कारण जिन पात्र महिलाओं को लाभ नहीं मिल पाया है, उनके प्रकरणों का परीक्षण कर आवश्यक समाधान किया जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, हिंदी खबर की ब्यूरो हेड सुश्री निशा द्विवेदी सहित जनप्रतिनिधि, नागरिक तथा महिलाएं उपस्थित थीं।

स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारी सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने देवपुरी में सुपर स्पेशलिटी प्रथमेश हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी संकल्प के साथ स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ आज मध्य भारत के प्रमुख मेडिकल हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर के देवपुरी में लगभग एक एकड़ क्षेत्र में निर्मित 125 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी प्रथमेश हॉस्पिटल के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने फीता काटकर अस्पताल का शुभारंभ किया और अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह अस्पताल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रदेश में ही उपलब्ध हों बेहतर और आधुनिक उपचार सुविधाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज और उसके परिवार को उपचार के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़े तो आर्थिक बोझ के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेशवासियों को अधिक से अधिक विशेषज्ञ और सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं छत्तीसगढ़ में ही उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के विस्तार से गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता लगातार कम होगी। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ के नागरिकों, बल्कि आसपास के राज्यों से आने वाले मरीजों को भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकारी और निजी संस्थानों के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में एक मजबूत हेल्थकेयर इकोसिस्टम तैयार हो रहा है। आधुनिक अस्पतालों के खुलने से जहां लोगों को गुणवत्तापूर्ण उपचार की सुविधा मिलेगी, वहीं चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मियों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुरक्षा का मजबूत कवच

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता में व्यापक विस्तार हुआ है। आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। छत्तीसगढ़ में भी बड़ी संख्या में पात्र परिवार इस योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार की सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार का प्रयास है कि आर्थिक अभाव किसी व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने। स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रखा गया है। जिला अस्पतालों से लेकर प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तक स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है। सुदूर वनांचलों और जनजातीय क्षेत्रों तक चिकित्सकीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की सोच स्पष्ट है – बेहतर स्वास्थ्य सेवा पर प्रत्येक नागरिक का समान अधिकार है, चाहे वह राजधानी में रहता हो या प्रदेश के किसी सुदूर वनांचल में।

नवा रायपुर की मेडिसिटी से स्वास्थ्य क्षेत्र को मिलेगी नई पहचान

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में नवा रायपुर में 200 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक मेडिसिटी विकसित की जा रही है। यह परियोजना आने वाले समय में प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र को नई ऊंचाई प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि मेडिसिटी में आधुनिक और सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की व्यापक संभावनाएं होंगी। इससे प्रदेश में मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा और चिकित्सा क्षेत्र में नए निवेश तथा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर और नवा रायपुर में आधुनिक चिकित्सा संस्थानों के लगातार विस्तार से छत्तीसगढ़ की पहचान एक बड़े हेल्थकेयर डेस्टिनेशन के रूप में मजबूत हो रही है। हमारा प्रयास है कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के लोगों को गंभीर और जटिल बीमारियों के बेहतर उपचार के लिए बाहर जाने की आवश्यकता न पड़े, बल्कि दूसरे राज्यों के लोग गुणवत्तापूर्ण उपचार के लिए छत्तीसगढ़ आएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक संस्थानों की स्थापना प्रदेश में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं के निरंतर विस्तार का परिचायक है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से सेवा, संवेदनशीलता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मरीजों के हित में कार्य करने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य अधोसंरचना के साथ मानव संसाधन और रोजगार का भी हो रहा विस्तार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में होने वाला निवेश केवल अस्पतालों और चिकित्सा उपकरणों तक सीमित नहीं रहता। इसके साथ चिकित्सकों, नर्सों, तकनीशियनों, पैरामेडिकल स्टाफ और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आधुनिक चिकित्सा संस्थानों का विस्तार छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए भी नई संभावनाएं लेकर आ रहा है। राज्य सरकार का प्रयास है कि स्वास्थ्य अधोसंरचना के विकास के साथ प्रशिक्षित मानव संसाधन भी तैयार हो और युवाओं को अपने प्रदेश में ही बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ से ही विकसित छत्तीसगढ़ का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सुलभ और जनोन्मुखी बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। हमारा संकल्प है कि प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा पहुंचे और हर परिवार को आवश्यकता के समय बेहतर उपचार का भरोसा मिले।

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य सुखी और समृद्ध जीवन का आधार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रथमेश हॉस्पिटल जैसी आधुनिक चिकित्सा संस्थाओं के प्रारंभ होने से प्रदेशवासियों को बेहतर उपचार की सुविधा मिलेगी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत करने के साथ निजी क्षेत्र में भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। प्रथमेश हॉस्पिटल के शुभारंभ से प्रदेश की जनता को सुपर स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को सेवा और संवेदनशीलता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक मोतीलाल साहू, प्रथमेश हॉस्पिटल ग्रुप के डॉ. राजीव साहू, डॉ. सारिका साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

छग मध्य भारत के बड़े मेडिकल हब के रूप में हो रहा विकसित: मुख्यमंत्री साय

ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल, कैंसर उपचार केंद्र का हुआ भूमिपूजन, मुख्यमंत्री ने कहा – कैंसर मरीजों को मिलेंगी उच्चस्तरीय उपचार सुविधाएं

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ तेजी से मध्य भारत के एक बड़े मेडिकल हब के रूप में विकसित हो रहा है। राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक, सुपर स्पेशलिटी सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के प्रत्येक नागरिक को बेहतर, सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सुविधाएं अपने प्रदेश में ही उपलब्ध हों तथा आर्थिक अभाव किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर में ओमेगा मेडिसिन अस्पताल की अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं की नई पहल एवं कैंसर उपचार केंद्र के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन और ओमेगा ग्रुप की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए आधुनिक सुविधाओं का विस्तार प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज के साथ पूरा परिवार कठिन दौर से गुजरता है। यदि उपचार के लिए दूसरे राज्य जाना पड़े तो परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ने के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयां भी आती हैं। हमारी कोशिश है कि छत्तीसगढ़ के लोगों को गंभीर से गंभीर बीमारी के उपचार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की आवश्यकता न्यूनतम हो और उन्हें अपने परिवार के बीच रहते हुए विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि ओमेगा अस्पताल का प्रस्तावित ऑन्कोलॉजी सेंटर इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा। विशेषज्ञ चिकित्सकों और आधुनिक चिकित्सा तकनीक की उपलब्धता से न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि आसपास के राज्यों के मरीजों को भी बेहतर कैंसर उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए मजबूत हो रही स्वास्थ्य अधोसंरचना

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य सरकार स्वस्थ छत्तीसगढ़ के निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को केवल बड़े शहरों तक सीमित रखने के बजाय गांव, गरीब और सुदूर जनजातीय अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा पहुंचाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तथा मेडिकल कॉलेजों तक स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत किया जा रहा है। जिला अस्पतालों में आईसीयू, डायलिसिस यूनिट, आधुनिक पैथोलॉजी और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, ताकि सामान्य जांच और उपचार के लिए मरीजों को अनावश्यक रूप से बड़े शहरों की ओर न जाना पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास स्वास्थ्य सेवाओं का विकेंद्रीकरण करना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच चिकित्सा सुविधाओं के अंतर को कम करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित की जा रही है।

गंभीर बीमारी में परिवारों का संबल बन रही सरकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गंभीर बीमारी केवल स्वास्थ्य संबंधी चुनौती नहीं होती, बल्कि कई बार परिवार के सामने बड़ा आर्थिक संकट भी खड़ा कर देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना ने ऐसे लाखों परिवारों को उपचार की चिंता से राहत दी है। शासकीय अस्पतालों के साथ बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों को भी योजना से जोड़ा गया है, जिससे पात्र परिवारों को निर्धारित प्रावधानों के अंतर्गत निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से भी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान कर रही है। हमारा स्पष्ट संकल्प है कि पैसे के अभाव में किसी गरीब का इलाज न रुके और बीमारी के उपचार के लिए किसी परिवार को अपनी जमीन, घर या गहने बेचने जैसी परिस्थिति का सामना न करना पड़े।

अबूझमाड़ और सुदूर वनांचलों तक पहुंच रहा स्वास्थ्य सेवाओं का नेटवर्क

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में हो रहा बदलाव केवल रायपुर या बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। सरकार की प्राथमिकता अबूझमाड़ सहित प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना भी है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में कभी बुनियादी सुविधाओं की पहुंच सीमित थी, वहां आज स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है। वनांचलों में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की जांच और उपचार किया जा रहा है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ चिकित्सकों, दवाइयों और आवश्यक जांच सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य ऐसा स्वास्थ्य तंत्र विकसित करना है जिसमें बस्तर के सुदूर गांव से लेकर राजधानी रायपुर तक हर नागरिक को आवश्यकता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख स्वास्थ्य और चिकित्सा निवेश केंद्रों में शामिल करने की दिशा में नवा रायपुर में लगभग 200 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक मेडिसिटी और फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना आने वाले समय में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य क्षेत्र की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि मेडिसिटी और फार्मा पार्क के माध्यम से सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाओं, फार्मास्युटिकल उद्योग, चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों को एक मजबूत इकोसिस्टम उपलब्ध होगा। इससे चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ सहित प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश से बढ़ेंगी सुविधाएं और रोजगार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ओमेगा ग्रुप का रायपुर में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार इस बात का संकेत है कि छत्तीसगढ़ चिकित्सा क्षेत्र में निवेश के आकर्षक केंद्र के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में निजी निवेश और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार और निजी क्षेत्र के समन्वित प्रयासों से आधुनिक स्वास्थ्य अधोसंरचना का तेजी से विस्तार संभव है। नए अस्पतालों और सुपर स्पेशलिटी केंद्रों की स्थापना से जहां मरीजों को बेहतर उपचार मिलेगा, वहीं चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मियों और अन्य युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही समृद्ध प्रदेश की सबसे मजबूत नींव हैं। इसलिए सरकार उपचार की सुविधाएं बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, आधुनिक और जनोन्मुखी बनाने की दिशा में काम कर रही है। हमारा संकल्प है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी नागरिक गंभीर बीमारी के उपचार के लिए स्वयं को असहाय महसूस न करे। सरकार हर जरूरतमंद के साथ पूरी संवेदनशीलता से खड़ी है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो रहा है, जिसका सीधा लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र द्वारा आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार से प्रदेश के स्वास्थ्य तंत्र को और मजबूती मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार गांव से लेकर शहर तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। स्वास्थ्य अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के साथ आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कैंसर उपचार केंद्र की पहल के लिए अस्पताल प्रबंधन और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मेडिसिन हॉस्पिटल के डायरेक्टर सुशील शर्मा, ओमेगा ग्रुप के सीईओ सहित अन्य जनप्रतिनिधि, चिकित्सक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

ज्ञापन सौंपने और आग्रह करने से कुछ हो सकता है क्या

राहुल गांधी व कांग्रेस पीएम मोदी को चुनाव में हरा नहीं पा रही है,यह उसकी बड़ी राजनीतिक असफलता है।ऐसा आज तक शायद ही कभी हुआ हो कि कांग्रेस एक बार लोकसभा का चुनाव हारने के बाद दूसरी बार चुनाव जीतकर सत्ता में न लौटी हो,राहुल गांधी के समय यानी उनके नेतृत्व में कांग्रेस पहली बार एक बार चुनाव के दूसरी बार सत्ता में नहीं लौट सकी है,यह तो हुआ ही है, इसी के साथ वह भी हुआ है जो आज तक कभी नहीं हुआ है।यानी कांग्रेस दूसरी बार सत्ता में वापसी नहीं कर सकी इसी के साथ ही तीसरी बार भी वह चुनाव नहीं जीत सकी यानी देश के इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ था कि कांग्रेस लगातार तीन चुनाव हार कर 15 साल के लिए सत्ता से बाहर हो गई हो और इसके बाद भी अगले चुनाव में कांग्रेस के सत्ता के लौटने की कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है।

राहुल गांधी पीएम मोदी व भाजपा को हराने के लिए कोई ठोस रणनीति बनाने में असफल है और इस पर उनको गुस्सा आना चाहिए,अपनी कमजोरी का जानने का प्रयास करना चाहिए तो इस बात पर हैरत जताते हैं कि मोदी सरकार के खिलाफ 12 साल के बाद भी एंटी इनकंबेसी क्यों नहीं है,जनता नाराज क्यों नहीं है,जनता उसे नाराजगी के बाद भी सत्ता से हटा क्यों नहीं रही है ।इसकी जगह उनको तो अपने आप से यह सवाल करना चाहिए कि वह पीएम मोदी को हरा क्यों नहीं पा रहे है, वह विपक्ष का नेता बने हुए हैं वह मोदी सरकार का विकल्प क्यों नहीं बना पा रहे हैं, कांग्रेस भाजपा को तीन बार हो गया हरा क्यों नहीं पा रही है, जनता कांग्रेस और विपक्ष को भाजपा का विकल्प क्यों नहीं मान रही है, जनता कांग्रेस व विपक्षी दलों पर भरोसा क्यों नहीं कर रही है। अपने आप से सवाल करने की जगह वह कहते हैं कि भाजपा और मोदी वोट चोरी कर सरकार बना रहे हैं।गलत काम कर के कांग्रेस को हरा रहे हैं।

भाजपा कुछ भी गलत कर रही है तो वह कहने से तो गलत साबित नहीं होता है, वह कई चुनाव हो चुके हैं कि अब तक वोट चोरी का कोई ऐसा सबूत पेश नहीं कर सके हैं जिस पर चुनाव आयोग उसे सबूत माने, सुप्रीम कोर्ट उसे सबूत माने। राष्ट्रपति उसे सबूत माने। जिसे राहुल गांधी व कांग्रेस अब तक वोट चोरी का सबूत मानते आए हैं, उसे चुनाव आयोग,सुप्रीम कोर्ट और यहां तक की राष्ट्रपति भी सबूत नहीं मानती हैं, वह तो राहुल गांधी जब उनसे मिलने जाते हैं तो पूछती हैं कि सबूत कहां है तो राहुल बता नहीं पाते हैं सबूत कहां है। सबूत क्या है।राहुल गांधी बाहर आकर कहते हैं कि राष्ट्रपति ने उनसे सबूत मांगा।उनके पास सबूत होता तो वह लेकर जाते और राष्ट्रपति के पूछने पर कहते कि यह सबूत है। राहुल गांधी व कांग्रेस को वोट चोरी का सबूत पेश करने का कई मौका मिल चुका है।वह एक बार कोई सबूत संवैधानिक संस्थाओं के सामने पेश नहीं कर सके हैं और वोट चोरी का राग अलापते रहते हैं।

एक साल हो गया जनता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोप सच नहीं मानती हैं, अगर वोट चोरी का कोई सबूत राहुल गांधी ने पेश किया होता तो जनता मान लेती और कांग्रेस व विपक्ष को बिहार व पं.बंगाल के चुनाव में जीता देती। राज्य के विधानसभा में जनता कांग्रेस व विपक्ष पर भरोसा नहीं कर रही है, भाजपा पर निरंतर भरोसा कर रही है तो उसकी कोई वजह तो होगी। एक वजह तो यही होगी कि मोदी सरकार ने 12 साल में केंद्र में अच्छा काम करके दिखाया है, उसके अच्छे काम के कारण ही उसे जनता जिन राज्यों में अब तक चुनती नहीं थी,वहां भी चुन रही हैं,इसका उदाहरण ओडिशा के बाद पं.बंगाल में भाजपा की जीत है। पं.बंगाल में चुनाव जीतने के कुछ महीने बाद भाजपा ने वहां हुए उपचुनाव में भाजपा ने दोनों सीट फिर से जीत ली है।इसमें से तो एक सीट नंदीग्राम भाजपा की थी, उसे तो भाजपा ने जीता ही, दूसरी सीट जो पहले एजेयूपी की थी, उसे भी भाजपा ने जीत लिया है और साबित किया है कि जनता का अब पं.बंगाल में ममता से मोहभंग हो गया है ।इसके अलावा भाजपा ने असम में नगांव लोकसभा सीट पर कांग्रेस को हरा कर उससे सीट छीन ली और पुडुचेरी की सीट एनडीए ने जीती है। यानी छ उपचुनाव में चार भाजपा जीती है और दो टीवीके ने जीते हैं.यानी उपचुनाव में कांग्रेस का सुपड़ा साफ हो गया है।

यह मौका है कांग्रेस सहित विपक्ष के नेताओं के लिए सबूत इकट्ठा करने की कि भाजपा ने उपचुनाव वोट चोरी कर जीते हैं। अभी कांग्रेस के पास 45 दिन का समय है कि वह सबूत जुटाए कि भाजपा ने उपचुनाव कैसे वोट चोरी कर जीते हैं उसके बाद सबूत चुनाव आयोग को सौंपे, सुप्रीम कोर्ट को सौंपे और राष्ट्रपति को सौंपे की देखो इस तरह भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीतती है।वह वोट चोरी के लिए महाराष्ट्र,कर्नाटक आदि चुनाव का उदाहरण देती है,जो चुनाव में विसंगति का उदाहरण है, वोट चोरी का उदाहरण नहीं है।छह उपचुनाव तो हाल ही में हुए है, भाजपा और विपक्ष को वोट चोरी का सबूत जुटाना चाहिए। सबूत जुटाकर ही सीजेआई सूर्यकांत से मिलने जाना चाहिए।राहुल गांधी राष्ट्रपति से मिलने के बाद अब सीजेआई से मिलने से जा रहे हैं तो उनको भले ही कुछ दिन बाद मिलने जाना चाहिए लेकिन वोट चोरी का सबूत जुटाकर ही मिलने जाना चाहिए। क्योंकि इस तरह बिना सबूत के मिलने जाएंगे तो उसके कुछ होना जाना नहीं है ।बाहर आकर वही कहेंगे जो राष्ट्रपति से मिलकर आने के बाद कहा है,सीजेआई ने वोट चोरी के आरोप से इंकार नहीं किया है।इससे कुछ नहीं होना है।

राहुल गांधी को मालूम है कि वह चुनाव में मोदी को हरा नहीं पा रहे हैं तो क्यों नहीं हरा पा रहे हैं ।इसलिए दूसरे तरीके से सत्ता से हटाने का प्रयास कर रहे हैं यानी जिस तरह बांग्लादेश,नेपाल में अराजकता फैला कर तख्तापलट किया गया है, वैसा ही कुछ करने का प्रयास कर रहे हैं तो इसमें कांग्रेस विपक्षी दलों को कोई सफलता नहीं मिलनेवाली है,भारत बहुत बड़ा है, बहुत बड़ी आबादी है,पीएम मोदी को जनता का भरोसा हासिल है,हर चुनाव में जनता ने भाजपा व मोदी के पक्ष में जनादेश दिया है।वोट चोरी की झूठ और झूठ के नाम पर अराजकता फैलाकर जनादेश के झुठलाया नहीं जा सकता ।राहुल गांधी बहुत लोकतंत्र की बात करते हैं लेकिन जब पीएम मोदी को हटाने की बात आती है तो वह लोकतांत्रिक तरीकों पर भरोसा नहीं करते हैं और अलोकतांत्रिक तरीकों पर भरोसा करते हैं और देश की जनता अलोकंतात्रिक तरीकों को पसंद नहीं करती है ।देश की जनता अराजकता पसंद नहीं करती, देश में अराजकता फैलाने वालों को पसंद नहीं करती ।सीजेपी और कांग्रेस मे जमीन आसमान का अंतर कांग्रेस को इस अंतर को बनाए रखना चाहिए,वह नहीं करना चाहिए जो सीजेपी कर रही है।

सेवा की कहानी : पक्के आशियाने से संवर रही जिंदगी, अम्बिकापुर में 5,194 परिवारों के सपनों को मिला नया आधार

पीएम आवास योजना शहरी से जरूरतमंद परिवारों को मिल रही सुरक्षित छत, कच्चे मकानों और किराए की परेशानियों से राहत

सुनील त्रिपाठी सहायक संचालक, रायपुर

अपना घर हर परिवार का सपना होता है।एक ऐसी पक्की छत, जिसके नीचे परिवार सुरक्षित रह सके, बच्चे निश्चिंत होकर पढ़ाई कर सकें और बरसात के दिनों में घर की दीवारों तथा छत की चिंता न सताए। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सपना कई बार वर्षों तक अधूरा रह जाता है।प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी ऐसे ही जरूरतमंद परिवारों के सपनों को साकार करने का माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर जरूरतमंद परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने के संकल्प को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में आगे बढ़ाया जा रहा है।इसी कड़ी में सरगुजा जिले के नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में हजारों परिवारों को अपने पक्के आशियाने का सहारा मिला है।कभी कच्चे मकानों और किराए के घरों में जीवन बिताने वाले परिवारों के लिए अब अपना घर सुरक्षा, सम्मान और बेहतर भविष्य का आधार बन रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आ रही बदलाव की कहानियों में अम्बिकापुर की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के विभिन्न घटकों के अंतर्गत कुल 7,046 आवास स्वीकृत किए गए हैं।इनमें से 5,194 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 1,448 आवास निर्माण एवं फिनिशिंग स्तर पर हैं।नवीन स्वीकृत डीपीआर के अंतर्गत 404 आवासों का निर्माण प्रारंभ होना शेष है। ये आंकड़े केवल आवास निर्माण की प्रगति नहीं बताते, बल्कि उन हजारों परिवारों की उम्मीदों को भी सामने लाते हैं, जिनके लिए अपना पक्का घर जीवन की सबसे बड़ी जरूरतों में शामिल रहा है।

कच्ची दीवारों से पक्के सपनों तक, हजारों परिवारों को मिली राहत

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 के अंतर्गत संचालित मोर जमीन मोर मकान घटक उन परिवारों के लिए सहारा बना है, जिनके पास अपनी जमीन तो थी, लेकिन आर्थिक कठिनाइयों के कारण वे पक्का मकान नहीं बना पा रहे थे।नगर निगम अम्बिकापुर में इस घटक के अंतर्गत कुल 5,170 आवास स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 4,744 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 426 आवास प्रगतिरत हैं।इस प्रकार लगभग 92 प्रतिशत स्वीकृत आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को बरसात के दिनों में छत से पानी टपकने, दीवारों के क्षतिग्रस्त होने और घरेलू सामान की सुरक्षा जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।ऐसे परिवारों के लिए पक्का मकान केवल रहने की सुविधा नहीं, बल्कि वर्षों पुरानी चिंताओं से राहत का माध्यम है। अब अपनी पक्की छत के नीचे परिवार सुरक्षित जीवन के साथ बच्चों की पढ़ाई और बेहतर भविष्य की उम्मीदों को आगे बढ़ा पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 से और परिवारों तक पहुंचेगा पक्के घर का लाभ

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के दूसरे चरण में भी जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। योजना 2.0 के मोर जमीन मोर मकान घटक के अंतर्गत अम्बिकापुर में 1,383 आवास स्वीकृत किए गए हैं।इनमें से 44 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 935 आवास निमार्णाधीन हैं।नवीन स्वीकृत डीपीआर में शामिल 404 आवासों का निर्माण प्रारंभ होना शेष है। दूसरे चरण के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण पूरा होने से आने वाले समय में और अधिक जरूरतमंद परिवारों को अपने पक्के घर का लाभ मिल सकेगा।

मोर मकान मोर चिन्हारी : सभी 67 आवासों में व्यवस्थापन पूर्ण

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 के एएचपी घटक मोर मकान मोर चिन्हारी के अंतर्गत नगर निगम अम्बिकापुर में स्वीकृत सभी 67 आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। इन सभी आवासों का शत-प्रतिशत आबंटन एवं व्यवस्थापन भी पूरा हो गया है। इससे पात्र परिवारों को सुरक्षित आवासीय सुविधा उपलब्ध हुई है। आवास निर्माण के साथ हितग्राहियों का व्यवस्थापन पूरा होना इस बात का महत्वपूर्ण उदाहरण है कि योजना का लाभ केवल निर्माण कार्य पूर्ण होने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जरूरतमंद परिवारों को वास्तविक आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने से उसका उद्देश्य पूरा होता है।

मोर मकान मोर आस : सभी 426 आवासों का आबंटन पूर्ण

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 1.0 के एएचपी घटक ह्यमोर मकान मोर आसह्ण के अंतर्गत भी आवास निर्माण और आबंटन की दिशा में प्रगति हुई है।इस घटक में कुल 426 आवास स्वीकृत हैं। इनमें से 339 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 87 आवास फिनिशिंग स्तर पर हैं। विशेष उपलब्धि यह है कि सभी 426 आवासों का शत-प्रतिशत आबंटन किया जा चुका है। इनमें से 81 आवासों में हितग्राहियों का व्यवस्थापन भी पूर्ण हो गया है।इसके अतिरिक्त हितग्राही अंशदान के रूप में लगभग 6 करोड़ रुपये की राशि संग्रहित की गई है। शेष आवासों में फिनिशिंग कार्य जारी है।

पक्की छत के साथ परिवारों को मिला सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

अपना पक्का घर किसी परिवार के लिए केवल ईंट, सीमेंट और दीवारों से बना ढांचा नहीं होता। यह उसके जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्थायित्व का आधार होता है। किराए के मकान में रहने वाले परिवारों के लिए हर महीने किराया चुकाना आर्थिक बोझ बन सकता है।वहीं कच्चे घरों में रहने वाले परिवारों को बारिश, मौसम की मार और घर की मरम्मत जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में स्वयं का पक्का आवास परिवार को इन चिंताओं से राहत देता है। घर में बच्चों को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण मिलता है और परिवार अपने भविष्य की योजनाओं को अधिक भरोसे के साथ आगे बढ़ा सकता है।प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का महत्व इसी मानवीय बदलाव में दिखाई देता है। एक पक्की छत परिवार के जीवन में केवल सुविधा नहीं जोड़ती, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की उम्मीद को भी मजबूत करती है।

5,194 पक्के आशियाने, हजारों परिवारों की उम्मीदों को मिला आधार

अम्बिकापुर में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत 5,194 आवासों का निर्माण पूर्ण होना केवल निर्माण कार्यो की उपलब्धि नहीं है। यह उन परिवारों के जीवन में आए बदलाव की तस्वीर है, जिनके लिए अपना पक्का घर कभी दूर का सपना था।किसी परिवार के लिए यह बरसात में टपकती छत से मुक्ति है, किसी के लिए किराए के घर की परेशानी से राहत और किसी के लिए बच्चों के बेहतर भविष्य की मजबूत शुरूआत। योजना के प्रथम चरण में हजारों आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। दूसरे चरण में स्वीकृत आवासों के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है।वहीं एएचपी घटकों के अंतर्गत आवासों के आबंटन और व्यवस्थापन के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों तक आवासीय सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

सेवा संकल्प से सुरक्षित आशियाने तक, बदल रही परिवारों की जिंदगी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सामने आ रही जनकल्याण की कहानियां बताती हैं कि शासन की योजनाओं की वास्तविक सार्थकता नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से होती है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के माध्यम से अम्बिकापुर में हजारों परिवारों को अपना पक्का घर मिला है और शेष स्वीकृत आवासों का निर्माण पूरा करने की दिशा में कार्य जारी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आवास संकल्प को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में आगे बढ़ाते हुए जरूरतमंद परिवारों तक सुरक्षित आवासीय सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। अम्बिकापुर में 5,194 पक्के आवासों का निर्माण पूर्ण होना केवल आंकड़ों की उपलब्धि नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के वर्षों पुराने सपनों को मिला नया आधार है। यह उस बदलाव की कहानी है, जहां कच्ची दीवारों की चिंता की जगह पक्की छत का भरोसा, असुरक्षा की जगह सम्मान और अधूरे सपनों की जगह बेहतर भविष्य की नई उम्मीद आकार ले रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट टीवी की सौगात, रोचक होगी बच्चों की पढ़ाई

शशिरत्न पाराशर, धमतरी

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों को बच्चों के लिए अधिक आकर्षक, ज्ञानवर्धक और सीखने के अनुकूल बनाने की दिशा में सार्थक पहल की जा रही है।कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के प्रयासों तथा स्थानीय राइस मिल एसोसिएशन के सहयोग से जिले के 82 आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए गए हैं।इससे प्रारंभिक बाल शिक्षा को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और सहज बनाने में मदद मिलेगी।स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चे खेल-खेल में अक्षर, अंक, रंग, आकार, कविताएं, कहानियां, बालगीत तथा देश-दुनिया से जुड़ी उपयोगी जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

जिले में स्मार्ट टीवी वितरण की यह पहल विभिन्न विकासखंडों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से आगे बढ़ाई गई है।नगरी विकासखंड में आयोजित निदान-03 शिविर के दौरान मुख्य अतिथि कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भोजराज नाग ने 46 आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए स्मार्ट टीवी वितरित किए। वहीं कुरूद में आयोजित कार्यक्रम में विधायक अजय चंद्राकर ने 32 आंगनबाड़ी केंद्रों को स्मार्ट टीवी प्रदान किए।इसके अतिरिक्त धमतरी ग्रामीण क्षेत्र के डूबान अंचल के चार आंगनबाड़ी केंद्रों को भी स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराए गए।इस प्रकार जिले के कुल 82 आंगनबाड़ी केंद्र इस सुविधा से लाभान्वित हुए हैं।

जिले में 1,164 आंगनबाड़ी केंद्रों का व्यापक नेटवर्क

धमतरी जिले में कुल 1,164 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं।इनमें नगरी विकासखंड में 372, कुरूद में 291, धमतरी ग्रामीण में 239, मगरलोड में 201 तथा धमतरी शहरी क्षेत्र में 61 केंद्र शामिल हैं। इन केंद्रों के माध्यम से बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य, पूर्व-प्राथमिक शिक्षा और सर्वांगीण विकास से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।स्मार्ट टीवी की उपलब्धता से इन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने तथा बच्चों की सीखने में रुचि बढ़ाने का अवसर मिलेगा।

बागवानी से पोषण, चित्रांकन से सीखने का आनंद

जिले में आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पढ़ाई और पोषण तक सीमित न रखते हुए बच्चों के लिए बेहतर वातावरण विकसित करने पर भी जोर दिया जा रहा है।केंद्र परिसरों में उपलब्ध खाली जमीन का उपयोग बागवानी के लिए किया जा रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर ताजी हरी सब्जियां उगाने और बच्चों के भोजन में पौष्टिक सब्जियों को शामिल करने में मदद मिल रही है। साथ ही बच्चों को पौधों, हरियाली और प्रकृति के प्रति सहज रूप से जागरूक करने का अवसर भी मिल रहा है।

वहीं बालानुमा (BAALA—Building as Learnng Aid) अवधारणा के तहत केंद्रों की दीवारों और उपलब्ध स्थानों को शिक्षण-सहायक माध्यम के रूप में विकसित किया जा रहा है। दीवारों पर वर्णमाला, गिनती, फल-सब्जियों, पक्षियों तथा अन्य उपयोगी विषयों से संबंधित रंगीन चित्र बनाए जा रहे हैं।इससे केंद्रों का वातावरण आकर्षक बनने के साथ बच्चे अपने आसपास की चीजों को देखकर, पहचानकर और उनसे जुड़कर सीख सकते हैं।स्वच्छता, सुरक्षित परिसर और बच्चों की आवश्यक सुविधाओं पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी-मिश्रा

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि बच्चों का शुरूआती बचपन उनके व्यक्तित्व, सीखने की क्षमता और भविष्य की नींव तैयार करने का महत्वपूर्ण समय होता है।हमारा प्रयास है कि जिले के आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, आकर्षक और ज्ञानवर्धक स्थान बनें।स्मार्ट टीवी के माध्यम से शिक्षा को रोचक बनाने, बागवानी से पोषण को बढ़ावा देने तथा बालानुमा अवधारणा के जरिए सीखने का अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इस कार्य में स्थानीय राइस मिल एसोसिएशन का सहयोग सराहनीय है।जनभागीदारी से ऐसे प्रयासों को मजबूती मिलेगी और बच्चों के सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिलेगी।

धमतरी जिले में प्रशासन और स्थानीय सहयोग के समन्वय से आंगनबाड़ी केंद्रों को बेहतर बनाने की यह पहल बाल शिक्षा, पोषण और रचनात्मक विकास को एक साथ आगे बढ़ाने का प्रयास है। तकनीक, पोषण और सीखने के अनुकूल वातावरण का समन्वय बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षा को आनंददायक बनाने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों को अधिक उपयोगी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

वन्यजीवों की घटती आबादी, जैव विविधता संकट और संरक्षण की चुनौती

डॉ. प्रियंका सौरभ

पृथ्वी पर जीवन की विविधता मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है।वन, नदियाँ, महासागर, घास के मैदान और आर्द्रभूमियाँ न केवल वन्यजीवों को आश्रय प्रदान करती हैं, बल्कि भोजन, स्वच्छ जल, जलवायु संतुलन तथा आजीविका के लिए भी आवश्यक हैं।किंतु तीव्र आर्थिक विकास, प्राकृतिक संसाधनों के अनियंत्रित दोहन और पर्यावरणीय असंतुलन ने जैव विविधता पर गंभीर संकट उत्पन्न कर दिया है।लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट वन्यजीव आबादी में गिरावट के माध्यम से इसी संकट को उजागर करती है।यह केवल कुछ प्रजातियों के कम होने की कहानी नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव के बीच बिगड़ते संबंधों का प्रतिबिंब है।

रिपोर्ट में दर्ज वन्यजीव आबादी में गिरावट का अर्थ पृथ्वी पर मौजूद सभी पशुओं की कुल संख्या में समान अनुपात में कमी आना नहीं है। यह मुख्यतः निगरानी की गई स्तनधारी, पक्षी, सरीसृप, उभयचर और मछली प्रजातियों की आबादी में समय के साथ हुए औसत परिवर्तन को दशार्ती है। उदाहरण के लिए, यदि किसी क्षेत्र में बाघों, पक्षियों और मछलियों की आबादी लगातार घट रही है, तो यह उनके प्राकृतिक आवास, भोजन की उपलब्धता और प्रजनन परिस्थितियों में प्रतिकूल बदलाव का संकेत हो सकता है।इसी प्रकार, मीठे पानी के पारिस्थितिकी तंत्र में आबादी की तीव्र गिरावट नदियों, झीलों और आर्द्रभूमियों पर बढ़ते दबाव को दशार्ती है।हालाँकि, आबादी में गिरावट और प्रजातियों के विलुप्त होने के बीच अंतर है। कुछ प्रजातियों की संख्या घटने का अर्थ यह नहीं कि वे विलुप्त हो चुकी हैं। इसलिए वन्यजीवों की घटती आबादी को प्रकृति के स्वास्थ्य का चेतावनी संकेतक समझना चाहिए, न कि सभी जीवों के कुल विनाश का प्रत्यक्ष माप।

जैव विविधता के ह्रास का सबसे प्रमुख कारण प्राकृतिक आवासों का विनाश और विखंडन है। वनों की कटाई, कृषि भूमि का विस्तार, खनन, शहरीकरण, सड़क निर्माण तथा औद्योगिक परियोजनाएँ वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को सीमित कर देती हैं।जब जंगल छोटे-छोटे हिस्सों में बँट जाते हैं, तो जानवरों की आवाजाही, प्रजनन और भोजन प्राप्त करने की क्षमता प्रभावित होती है।भारत में वन क्षेत्रों के निकट मानव बस्तियों और आधारभूत संरचनाओं का विस्तार हाथियों तथा तेंदुओं के साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष को बढ़ा सकता है।प्राकृतिक आवासों का विनाश केवल जीवों को आश्रय से वंचित नहीं करता, बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र की खाद्य शृंखला और प्राकृतिक संतुलन को भी कमजोर करता है।

प्राकृतिक संसाधनों का अतिदोहन भी जैव विविधता के लिए गंभीर चुनौती है। अत्यधिक शिकार, अवैध वन्यजीव व्यापार, अनियंत्रित मछली पकड़ना तथा लकड़ी का अत्यधिक दोहन अनेक प्रजातियों के अस्तित्व को खतरे में डालते हैं। जब किसी प्रजाति से उसकी प्राकृतिक पुनरुत्पादन क्षमता से अधिक संसाधन प्राप्त किए जाते हैं, तो उसकी आबादी में गिरावट आने लगती है।भारत में बाघों के अंगों, पैंगोलिन के शल्कों और अन्य वन्यजीव उत्पादों का अवैध व्यापार इस समस्या की गंभीरता को दशार्ता है। इसी प्रकार, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में अत्यधिक मत्स्य दोहन खाद्य शृंखला को प्रभावित करता है। इसके अतिरिक्त, वन्यजीव उत्पादों की बढ़ती माँग और अवैध व्यापार के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क संरक्षण संबंधी प्रयासों को कमजोर करते हैं।

जलवायु परिवर्तन जैव विविधता के संकट को और गहरा कर रहा है।वैश्विक तापवृद्धि, वर्षा चक्र में परिवर्तन, सूखा, बाढ़, समुद्र-स्तर में वृद्धि तथा महासागरों का अम्लीकरण वन्यजीवों के अस्तित्व को प्रभावित करते हैं। तापमान में बदलाव से प्रजातियों के प्रजनन काल, प्रवास और भोजन की उपलब्धता में परिवर्तन हो सकता है।समुद्री तापमान बढ़ने से प्रवाल विरंजन की घटनाएँ बढ़ती हैं, जिससे प्रवाल भित्तियों पर निर्भर अनेक जीव प्रभावित होते हैं।हिमालयी क्षेत्रों में बदलती जलवायु पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र और वहाँ रहने वाली प्रजातियों के लिए नई चुनौतियाँ उत्पन्न करती है। इस प्रकार, जलवायु परिवर्तन पहले से ही कमजोर पारिस्थितिकी तंत्रों पर अतिरिक्त दबाव डालता है।

प्रदूषण भी जैव विविधता के ह्रास का एक प्रमुख कारण है। औद्योगिक अपशिष्ट, कीटनाशक, रासायनिक उर्वरक, प्लास्टिक तथा सीवेज मिट्टी और जल की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।कृषि क्षेत्रों से बहकर आने वाले रसायन जल निकायों में ऑक्सीजन की कमी पैदा कर सकते हैं, जिससे मछलियों और अन्य जलीय जीवों के लिए जीवित रहना कठिन हो जाता है।प्लास्टिक प्रदूषण समुद्री कछुओं, पक्षियों और मछलियों के लिए विशेष रूप से हानिकारक है। इसके अतिरिक्त, प्रकाश और ध्वनि प्रदूषण वन्यजीवों के व्यवहार, संचार तथा प्रजनन प्रक्रियाओं को बाधित कर सकते हैं। आक्रामक विदेशी प्रजातियाँ भी स्थानीय जैव विविधता को नुकसान पहुँचाती हैं।भारत में लैंटाना जैसी आक्रामक वनस्पति कुछ वन क्षेत्रों में स्थानीय वनस्पतियों के पुनर्जनन को प्रभावित करती है और प्राकृतिक आवासों की संरचना में बदलाव लाती है।

जैव विविधता संरक्षण के लिए सर्वप्रथम प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और पारिस्थितिकी तंत्रों के पुनर्स्थापन को प्राथमिकता देनी चाहिए। वनों, आर्द्रभूमियों, घास के मैदानों, मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियों का संरक्षण आवश्यक है।संरक्षित क्षेत्रों के साथ वन्यजीव गलियारों का विकास किया जाना चाहिए, ताकि जानवर अलग-थलग आबादियों के बीच आवागमन कर सकें।

तुलसी छग हॉकी की एसोसिएट्स प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत, राज्य कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

छत्तीसगढ़ में हॉकी खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और सांगठनिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ हॉकी द्वारा राज्य कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। इस कड़ी में छत्तीसगढ़ हॉकी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने बेमेतरा जिले हॉकी संघ की सचिव व शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव की व्यायाम शिक्षिका कोच तुलसी साहू को सर्वसम्मति से संगठन का एसोसिएट्स प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है, इनके इस मनोनयन से खेल जगत और स्थानीय खिलाड़ियों में जबरदस्त उत्साह की लहर है।

सांगठनिक अनुभव और खेल कौशल को मिला सम्मान

नवनियुक्त एसोसिएट्स प्रदेश उपाध्यक्ष तुलसी साहू पिछले लंबे समय से खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रही हैं, वर्तमान में जिला हॉकी संघ बेमेतरा में सचिव के रूप में अपनी कुशल सेवाएं दे रही है, इसके अतिरिक्त वे शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बारगांव में व्यायाम शिक्षिका व कोच के रूप में ग्रामीण अंचल की खेल प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रही हैं, आज

इनके कुशल मार्गदर्शन में बारगांव सहित आस-पास के गांव से 90 से 100 बालक एवं बालिकाएं हॉकी खेल का अभ्यास कर रहे है, उनके मार्गदर्शन में वर्ष 2022 - 2026 के दौरान राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में 25 से अधिक स्वर्ण पदक सहित दर्जनों पदक जीते, डाली निषाद, संजना यादव, चिंताराम पटेल, तन्नू बेग, देवेन्द्र यादव, मनीषा साहू जैसे खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर शालेय प्रतियोगिता में चयन वही संजना निषाद, कुलदीप कुमार और मनीषा साहू वेस्ट जोन चैंपियनशिप में रजत और कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ का नाम रोशन किया है।

वहीं आज छत्तीसगढ़ राज्य की प्रतिष्ठित खेल अकादमियों राजनादगांव, बिलासपुर, रायपुर में 11 में चयन जिससे बारगांव को अब खेल गांव की नई पहचान मिली है खेल के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट और निस्वार्थ योगदान के लिए उन्हें वर्ष 2026 नई दिल्ली में पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के हाथों खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रेष्ठ शिक्षक रूरल चेंजमेकर टीचर अवॉर्ड से सम्मानित, 15 अगस्त 2024 मुख्य समारोह बेमेतरा में ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को निखारने एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए रूपकुमारी चौधरी सांसद महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के हाथों अलंकृत किया गया, सामाजिक गौरव सम्मान अरुण साव उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा सम्मानित, दीपेश साहू विधायक बेमेतरा द्वारा सम्मानित सहित कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, रणबीर शर्मा सहित विभिन्न मंचों में सम्मानित किया जा चुका है

राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज कर चुकी हैं ऐतिहासिक सफलता

तुलसी साहू संगठन संचालन के साथ-साथ खुद भी एक राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्ट हॉकी खिलाड़ी रही हैं वर्ष 2010 से 2014 तक 6 बार राष्ट्रीय स्तर शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता में चयन व वर्ष 2010 में राजनादगांव में आयोजित 55 वी राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान(गोल्ड मेडल) जीत और वर्ष 2015 से 2020 तक उच्च शिक्षा के दौरान 6 बार यूनिवर्सिटी हॉकी टीम में चयनित और वर्ष 2022 से 2025 तक 4 बार ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज हॉकी प्रतियोगिता' में छत्तीसगढ़ महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया था, इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उनके शानदार खेल और रणनीतिक योगदान की बदौलत वर्ष 2022 में भोपाल में आयोजित ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज हॉकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया था

ग्रामीण अंचल की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर दिलाना ही मेरा मुख्य लक्ष्य

अपनी इस नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए नवनियुक्त एसोसिएट्स प्रदेश उपाध्यक्ष तुलसी साहू ने छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव एवं पूर्व अध्यक्ष फि रोज अंसारी सहित राज्य कार्यकारिणी का आभार व्यक्त किया, उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है मैं उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करूंगी, छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर की आवश्यकता है, मेरा मुख्य लक्ष्य ग्रामीण अंचल की इन प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है, अध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में प्रदेश भर में हॉकी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगी

इस उपलब्धि पर जिला हॉकी संघ, स्थानीय खेल प्रेमियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और वरिष्ठ खिलाड़ियों ने उन्हें अपनी हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

खास खबर

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं ने तहसील कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग एवं भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस की ओर से राष्ट्रीय समन्वयक उमेश रगड़े के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए चुनाव प्रणाली में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की गई।

ज्ञापन में कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला हैं। चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखना निर्वाचन आयोग की संवैधानिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता, नियमों के क्रियान्वयन और संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इससे चुनावी प्रक्रिया के प्रति जनता का विश्वास प्रभावित होने की आशंका है। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक उमेश रगड़े ने ज्ञापन के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तत्काल पद से इस्तीफा देने की मांग की। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए उसकी कार्यप्रणाली की पारदर्शी समीक्षा कराने तथा चुनाव प्रणाली में जनता का विश्वास बहाल करने के लिए आवश्यक संवैधानिक सुधारात्मक कदम उठाने की मांग रखी।

ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि नए चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के दौरान प्रमुख विपक्षी राजनीतिक दलों और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को विश्वास में लेकर सहमति बनाई जाए। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने एसडीएम से ज्ञापन राष्ट्रपति को शीघ्र प्रेषित करने तथा उठाई गई मांगों पर उचित कार्रवाई कराने का आग्रह किया।

नारायणपुर के दूरस्थ अबुझमाड़ (कुतुल) के नयापारा में भी पहुंचेगा शुद्ध पेयजल

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के सेवा संकल्प अभियान के तहत राज्य के अंतिम छोर पर बसे वनांचल और दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों तक मूलभूत सुविधाओं का विस्तार अब जमीनी हकीकत बनता जा रहा है। इसी कड़ी में नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र ग्राम परपा (कुतुल) के नयापारा में नलकूप खनन का कार्य तेजी से प्रारंभ कर दिया गया है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित आवागमन के बावजूद शुरू की गई इस पहल से स्थानीय ग्रामीणों को जल्द ही घर के समीप शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की सौगात मिलने की उम्मीद है, जिससे क्षेत्र में विकास की एक नई किरण जगी है।

वनांचल के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाना केवल एक बुनियादी सुविधा का विस्तार नहीं है, बल्कि यह ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर को सीधे तौर पर बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। कुतुल जैसे दुर्गम क्षेत्रों में जहाँ भौगोलिक विसंगतियाँ और आवागमन की दुश्वारियाँ विकास कार्यों के क्रियान्वयन को बेहद चुनौतीपूर्ण बना देती हैं, वहाँ प्रशासन की यह पहल स्थानीय लोगों के जीवन को सुगम बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है। पारंपरिक स्रोतों से पानी ढोने की मजबूरी झेल रहे परिवारों के लिए यह नलकूप खनन किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा। इस महत्वपूर्ण पहल के धरातल पर उतरने से ग्रामीण महिलाओं और परिवारों को अपनी दैनिक जरूरतों के लिए पानी जुटाने की लंबी और श्रमसाध्य मशक्कत से राहत मिलेगी। घर के नजदीक ही स्वच्छ जल उपलब्ध होने से न केवल उनका बहुमूल्य समय बचेगा, बल्कि वे अपनी ऊर्जा का उपयोग अन्य रचनात्मक व आजीविका संबंधी कार्यों में कर सकेंगे। इसके साथ ही, सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों के खतरे को कम करने तथा ग्रामीण आंचल में बेहतर स्वास्थ्य संबंधी आदतों को बढ़ावा देने में भी बड़ी मदद मिलेगी।

बरसात के बाद निर्माण कार्यों को मिली रफ्तार, गुणवत्ता और समय-सीमा पर दिया गया जोर

पीडब्ल्यूडी सचिव बंसल ने सड़कों, पुलों और भवनों का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-गरियाबंद

बरसात के बाद सड़कों, पुल-पुलियों और भवनों के निर्माण को रफ्तार देने की पूरी तैयारी है। लोक निर्माण विभाग ने निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। काम की प्रगति अब केवल दफ्तरों की रिपोर्ट तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि वरिष्ठ अधिकारी खुद मैदान में उतरकर निर्माण की वास्तविक स्थिति परखेंगे। कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के साथ औचक निरीक्षण से भी गुणवत्ता और प्रगति पर नजर रखी जाएगी। इसी कड़ी में लोक निर्माण विभाग के सचिव मुकेश कुमार बंसल ने गरियाबंद जिले का दौरा कर सड़कों, पुलों और भवनों के निर्माण स्थलों का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया। अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ समीक्षा बैठक कर निर्माण में आ रही बाधाओं की जानकारी ली और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

सचिव बंसल ने गरियाबंद जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर निमार्णाधीन परियोजनाओं की जमीनी स्थिति देखी। उन्होंने फिंगेश्वर विकासखंड में कोपरा-पोखरा मार्ग के 26.20 किलोमीटर लंबे मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस परियोजना में पुल-पुलियों के निर्माण कार्य भी शामिल हैं। उन्होंने राजिम में नवीन मेला स्थल चौबेबांधा से लक्ष्मण झूला तक 3.50 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की प्रगति भी देखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली और निर्माण में गुणवत्ता तथा समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

सड़क परियोजनाओं के साथ सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद में निमार्णाधीन शासकीय भवनों का भी जायजा लिया। उन्होंने व्यवहार न्यायालय में न्यायिक अधिकारियों के लिए बनाए जा रहे दो डी-टाइप आवासगृहों, जिला परिवहन कार्यालय भवन तथा 40 जीएडी आवासगृहों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने इन परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री बंसल गरियाबंद जिले के बिंद्रानवागढ़ क्षेत्र के दुर्गम इलाकों में भी पहुंचे। उन्होंने कसाबाय-पतोरा दादर मार्ग के आरडी 135 में चचंगी नाला पर निर्मित पुल एवं पहुंच मार्ग का निरीक्षण किया। यह कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने कसाबाय-सातधार मार्ग में हलफली नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में संचालित इन परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कार्यों की स्थिति की जानकारी ली।

मैदानी निरीक्षण के बाद सचिव श्री बंसल ने गरियाबंद सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए काम में आ रही समस्याओं और बाधाओं की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों को गति देने के साथ गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए। बरसात के बाद निर्माण कार्यों में तेजी लाने विभागीय अमले को सक्रियता से काम करना होगा। कार्यों की सतत निगरानी और वरिष्ठ अधिकारियों के मैदानी निरीक्षण से निर्माण की वास्तविक प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

श्री बंसल ने लोक निर्माण विभाग के संभागीय कार्यालय और कार्यालय परिसर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय में स्वच्छता और रखरखाव पर विशेष ध्यान देने तथा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता व्ही. के. भतपहरी, मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता, अनुविभागीय अधिकारी एवं उप अभियंतागण उपस्थित थे।

'निदान-03' शिविर से संवर रही दिव्यांगजनों की जिंदगी

नई दृष्टिबिंदु / धमतरी

सेवा संकल्प अभियान के तहत धमतरी जिले में आयोजित तीन दिवसीय निदान-03 विशेष शिविर दिव्यांगजनों के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आ रहा है। जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग और भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना, उनकी दैनिक गतिविधियों को सुगम करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। नगरी और धमतरी में आयोजित इन शिविरों के शुरूआती दो दिनों में कुल 632 दिव्यांगजनों ने हिस्सा लिया, जिन्हें एक ही छत के नीचे कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण और शासकीय योजनाओं का पूरा संबल प्रदान किया गया।

शिविर के पहले दिन 8 अक्टूबर को नगरी विकासखंड के श्रृंगी ऋषि हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित जिला स्तरीय शिविर में 172 दिव्यांगजन शामिल हुए। यहाँ पात्र हितग्राहियों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, वॉकिंग स्टिक और वॉकर वितरित किए गए। साथ ही, नौ दिव्यांगजनों के कृत्रिम हाथ-पैर तैयार करने के लिए आवश्यक माप और प्रक्रिया पूरी की गई, जबकि 18 दिव्यांगता प्रमाण पत्र और 44 यूडीआईडी कार्ड भी प्रदान किए गए। श्रृखला के दूसरे दिन 10 अक्टूबर को धमतरी के इंडोर स्टेडियम में भव्य शिविर का आयोजन किया गया, जहाँ 460 दिव्यांगजन पहुँचे और इनमें से 359 हितग्राहियों को विभिन्न उपकरणों व सुविधाओं से लाभान्वित किया गया।

छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया और महापौर रामू रोहरा की उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, श्रवण यंत्र, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, स्मार्ट केन और वॉकर जैसी आधुनिक सामग्रियां बड़े पैमाने पर बांटी गई। इसके अलावा, शिविर में दिव्यांगजनों के बस पास, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और एम. आधार कार्ड जैसी आवश्यक सुविधाएँ भी तुरंत उपलब्ध कराई गई, जिससे उन्हें अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़े। इस आयोजन की एक और खास बात यह रही कि यहाँ विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए थे, जहाँ जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जनसंपर्क विभाग की ओर से विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई और मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' का निःशुल्क वितरण किया गया।

जैविक वनोपज को नई उड़ान : माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र

नई दृष्टिबिंदु / बस्तर

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण, जैविक उत्पादों के संवर्धन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने की दिशा में दंतेवाड़ा जिले ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत गठित माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड को वनोपज के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अंतर्गत जैविक प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। यह प्रदेश में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित पहली किसान उत्पादक कंपनी है, जिसे वनोपज के लिए यह प्रमाणन मिला है। इस उपलब्धि से बस्तर के प्राकृतिक वनोपज को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की नई राह खुली है।

उप मुख्यमंत्री तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी से जुड़ी सभी महिलाओं और बिहान मिशन की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के समग्र विकास के लिए स्थानीय संसाधनों, स्थानीय प्रतिभा और स्थानीय भागीदारी पर आधारित विकास मॉडल को आगे बढ़ा रही है। इस मॉडल में महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण आजीविका और प्राकृतिक

संसाधनों का सतत उपयोग प्रमुख आधार हैं। माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी को मिला एनपीओपी प्रमाणपत्र इसी दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि बस्तर की धरती प्राकृतिक संपदा से समृद्ध है और यहां की महिलाएं पीढ़ियों से वनोपज के संग्रहण एवं संरक्षण का कार्य करती आ रही हैं। एनपीओपी प्रमाणन मिलने से उनके परिश्रम और पारंपरिक ज्ञान को औपचारिक पहचान मिलेगी। अब दंतेवाड़ा के प्रमाणित जैविक वनोपज को देश के बड़े बाजारों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने की संभावनाएं मजबूत होंगी। इससे संग्राहकों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य मिलने और वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त होने की उम्मीद है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जैविक प्रमाणन केवल उत्पादों की गुणवत्ता की पहचान नहीं है, बल्कि यह बस्तर की महिलाओं की मेहनत और सामूहिक उद्यमशीलता को नई पहचान दिलाने का माध्यम भी है। वनोपज के प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इससे युवाओं को अपने गांव और क्षेत्र में ही काम के अवसर मिलेंगे तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

श्री शर्मा ने कहा कि शासन की मंशा है कि बस्तर के ऐसे गांवों, जहां परंपरागत रूप से रासायनिक उर्वरकों और रसायनों का उपयोग नहीं किया गया है, वहां के कृषि उत्पादों और वनोपज को निर्धारित मानकों के अनुरूप जैविक प्रमाणीकरण से जोड़ा जाए। इससे बस्तर की प्राकृतिक और पारंपरिक उत्पादन प्रणाली को विशिष्ट पहचान मिलेगी। साथ ही स्थानीय समुदायों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य, बेहतर बाजार और स्थायी आजीविका प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि दण्डक ब्रांड बस्तर की मेहनतकश महिलाओं, समृद्ध जैव विविधता और स्थानीय उत्पादों को एक साझा पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत वर्ष 2023 में गठित माँ दंतेश्वरी महिला किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उनकी आजीविका बढ़ाने की दिशा में कार्य कर रही है। वर्तमान में कंपनी से 1080 महिला शेयरधारक प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई हैं। इसके अतिरिक्त जिले के 60 उत्पादक समूहों से जुड़ी 2100 वनोपज संग्राहक दीदियां भी कंपनी की गतिविधियों से लाभान्वित हो रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर हरलीन देओल ने हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी हरलीन देओल ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग की रायपुर आवासीय हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद किया और अपने खेल जीवन के अनुभव साझा किए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करने वाली खिलाड़ी से मिलकर अकादमी के बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

उप मुख्यमंत्री तथ खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ की पहल पर हरलीन देओल हॉकी अकादमी आई थीं। राज्य के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त करने वाली खिलाड़ी के अनुभवों से परिचित कराने तथा उन्हें अपने खेल जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित करने हरलीन अकादमी पहुंची थीं।

हरलीन देओल ने खिलाड़ियों को प्रेरित

करते हुए कहा कि वे अकादमी में उपलब्ध खेल सुविधाओं, प्रशिक्षण और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने बच्चों को बड़े लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन के साथ नियमित अभ्यास करने और भारतीय टीम का हिस्सा बनकर देश के लिए खेलने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, आप मेहनत कीजिए, अपने लक्ष्य के लिए पूरी लगन से प्रयास कीजिए। भगवान भी आपकी मदद करेंगे। अपने ऊपर विश्वास रखिए और देश के लिए खेलने का सपना जरूर देखिए। अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए हरलीन देओल ने बताया कि सफलता प्राप्त करने के लिए प्रतिभा के साथ कड़ी मेहनत, धैर्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपनी कमियों को पहचानने, उनमें सुधार करने और हर दिन पहले से बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से सीधे संवाद करने का अवसर युवा खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। हरलीन देओल के अनुभवों से खिलाड़ियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, दबाव की परिस्थितियों में आत्मविश्वास बनाए रखने, असफलताओं से सीखने और निरंतर अपने प्रदर्शन में सुधार करने की प्रेरणा मिली। क्रिकेट और हॉकी अलग-अलग खेल हैं, लेकिन दोनों में सफलता के लिए अनुशासन, फिटनेस, मानसिक मजबूती, टीम भावना और दबाव में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता महत्वपूर्ण है। हरलीन देओल के अनुभव ने हॉकी खिलाड़ियों को इन गुणों को अपने खेल में विकसित करने की प्रेरणा दी।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी से संवाद के माध्यम से खिलाड़ियों को यह समझने का अवसर मिला कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने के लिए केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सही मार्गदर्शन भी आवश्यक हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की आवासीय हॉकी अकादमी में प्रदेश के दूर-दराज के जनजातीय क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली बच्चे भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। ये खिलाड़ी अपने घर-परिवार से दूर रहकर अपनी प्रतिभा को निखारने और भविष्य में देश के लिए खेलने का सपना साकार करने की दिशा में प्रयासरत हैं।

दुर्गा पूजा पंडालों में सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा, शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों और आयोजकों को पंडालों में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा आयोजन के दौरान सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

बैठक में एडीएम अपूर्व प्रियेश टोप्पो ने प्रत्येक पूजा पंडाल में आयोजन के दौरान किसी जिम्मेदार व्यक्ति की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेषकर रात्रि के समय भी पंडाल में जिम्मेदार व्यक्ति की मौजूदगी बनाए रखने तथा व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखने पर जोर दिया, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी ने रात 10 बजे के बाद डीजे और ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंडालों में नशापान से दूर रहने और आयोजन के दौरान अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें। प्रतिमा विसर्जन के दौरान भी कानून-व्यवस्था बनाए रखने और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। आयोजन समितियों को प्रशासन एवं पुलिस के साथ समन्वय बनाकर विसर्जन की व्यवस्था करने तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए कहा गया।

किसी भी अप्रिय स्थिति या शांति व्यवस्था से संबंधित समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9479193299 पर सूचना देने के निर्देश दिए गए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। आयोजन समितियों से प्रशासन एवं पुलिस के दिशा-निदेर्शों का पालन करते हुए दुर्गा पूजा और विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने की अपील की गई।

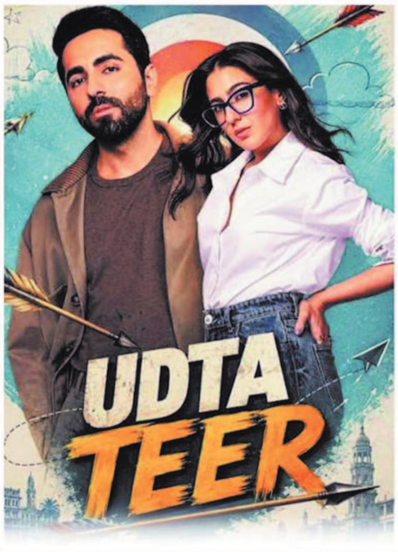

फिल्म 'उड़ता तीर' में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की अगली फिल्म को लेकर मेकर्स ने अब तक कहानी से जुड़ी ज्यादा जानकारी सामने नहीं रखी है। हालांकि, फिल्म से जुड़े सूत्रों से बातचीत में कहानी और किरदारों को लेकर कुछ अहम जानकारी सामने आई है। फिल्म की पृष्ठभूमि भारत और पाकिस्तान से जुड़ी जरूर है।

भारत-पाकिस्तान की पृष्ठभूमि में काल्पनिक कहानी

फिल्म में भारत और पाकिस्तान की पृष्ठभूमि कहानी का अहम हिस्सा है। यह पूरी तरह काल्पनिक कहानी है, जिसे भारत-पाकिस्तान के संदर्भ में विकसित किया गया है। यही वजह है कि इसे हाल के दौर की उन फिल्मों से अलग माना जा रहा है, जिनकी कहानियां वास्तविक घटनाओं या सैन्य अभियानों से प्रेरित रही हैं।

फिल्म में डबल रोल प्ले कर सकते हैं आयुष्मान खुराना

फिल्म में आयुष्मान महत्वपूर्ण भूमिका में हैं और कहानी की मुख्य घटनाएं उनके किरदार के आसपास आगे बढ़ती हैं। इसकी वजह कहानी में मौजूद ट्विस्ट बताए जा रहे हैं। इसी वजह से आयुष्मान के डबल रोल में होने की भी संभावना जताई जा रही है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह कंफर्म नहीं है।

लाउड नहीं, सिचुएशनल कॉमेडी पर फोकस करेगी यह फिल्म

फिल्म का टोन इसे खास बनाता है। भारत-पाकिस्तान का बैकड्रॉप और डिफेंस से जुड़ी कहानी देखकर इसे गंभीर वॉर फिल्म या सीधी कॉमेडी समझना आसान हो सकता है। फिल्म में ड्रामा और कॉमेडी साथ-साथ चलती है। इसका हास्य लगातार पंचलाइन या वन-लाइनर्स पर बेस्ड नहीं है।

'धुरंधर' जैसी फिल्मों से अलग है कहानी

इसमें डिफेंस से जुड़ी दुनिया होने के बावजूद ड्रामा और कॉमेडी को भी बराबर जगह दी गई है। इसलिए इसे 'धुरंधर' जैसे युद्ध बेस्ड प्रोजेक्ट के साथ रखना सही नहीं है।

मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक हुई इस फिल्म की शूटिंग

फिल्म की शूटिंग मुंबई और दिल्ली में हुई है। दिल्ली-एनसीआर में भी इसके कई हिस्से शूट किए गए। खास तौर पर गुरुग्राम के एक कॉलेज की लोकेशन का इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा वहां आर्मी बेस जैसा सेटअप भी तैयार किया गया था। फिल्म की दुनिया में सामान्य शहरी लोकेशन के साथ डिफेंस से जुड़े हिस्सों को भी जगह दी गई है।

सारा का किरदार डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा

सारा फिल्म में एक कामकाजी महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका संबंध डिफेंस मिनिस्ट्री से जुड़ा बताया जा रहा है। यानी उनका किरदार सिर्फ घर या किसी पुरुष किरदार के आसपास सीमित नहीं है, बल्कि फिल्म की पेशेवर दुनिया का हिस्सा है। उनके किरदार की पूरी भूमिका अभी सामने नहीं आई है।

रिजेक्शन और रिप्लेसमेंट के बाद तारा सुतारिया ने बनाई पहचान

बॉलीवुड में पहचान बनाने का सपना लेकर आने वाले हर कलाकार का सफर एक जैसा नहीं होता। कुछ को फिल्मी परिवार का सहारा मिलता है, तो कुछ हुनर और मेहनत के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाने की कोशिश करते हैं। अभिनेत्री तारा सुतारिया का सफर भी ऐसा ही है। अभिनय के साथ संगीत और गायकी में रुचि रखने वाली तारा ने टेलीविजन से शुरुआत की और 2019 में करण जौहर की फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बड़े पर्दे पर कदम रखा। तारा का फिल्मी सफर कई अनुभवों से गुजर चुका है। उन्होंने रोमांटिक और एक्शन फिल्मों में काम किया और अपूर्वा जैसी सर्वाइवल थ्रिलर में मुख्य भूमिका निभाई। इस दौरान उन्हें फिल्मों से रिप्लेस किए जाने और इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड डेब्यू

साल 2019 तारा सुतारिया के करियर के लिए महत्वपूर्ण रहा। इसी साल उन्होंने पुनीत मल्होत्रा के निर्देशन में बनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे मुख्य भूमिकाओं में थे। तारा ने फिल्म में मिया चावला का किरदार निभाया। यह कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार और प्रतियोगिता पर आधारित कहानी थी। फिल्म को समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली, लेकिन तारा के लिए यह बड़े पर्दे पर शुरुआत का अवसर था। तारा ने अपनी डेब्यू फिल्म के प्रदर्शन पर कहा था कि फिल्म को लेकर लोगों की राय अलग हो सकती है, लेकिन उनके अनुसार फिल्म ने कमाई की थी और वह इसे असफल नहीं मानती थीं। तारा ने बताया था कि 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' की शूटिंग के दौरान उन्हें दूसरी फिल्मों के ऑफर मिलने लगे थे। इनमें 'कबीर सिंह' और 'मरजावां' जैसी फिल्में शामिल थीं।

फिल्मों से रिप्लेस होने का अनुभव

फिल्म इंडस्ट्री में काम पाने के साथ-साथ किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा बने रहना भी कलाकारों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। तारा सुतारिया ने करियर के दौरान ऐसे अनुभवों का सामना किया है। जूम टीवी एंटरटेनमेंट के इंटरव्यू में तारा ने फिल्मों से रिप्लेस किए जाने के अनुभवों पर बात की है। उन्होंने बताया कि कुछ मौकों पर उन्हें फिल्मों से बाहर किए जाने की जानकारी मिली, जबकि वह उन प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनने की उम्मीद कर रही थीं। किसी फिल्म से जुड़े होने की उम्मीद के बाद अचानक किसी दूसरे कलाकार को अपनी जगह देखना भावनात्मक रूप से मुश्किल हो सकता है। तारा के लिए भी यह शुरुआती करियर का ऐसा अनुभव रहा, जिसने उन्हें इंडस्ट्री के काम करने के तरीके को समझने का अवसर दिया।

आउटसाइडर होने पर बोलीं तारा

तारा सुतारिया ने इंटरव्यू में बॉलीवुड में अपने आठ साल के सफर पर बात की थी। इस इंटरव्यू में तारा ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में शुरुआत की, तब वह बहुत कम लोगों को जानती थीं। फिल्मी दुनिया के काम करने के तरीकों को समझने में उन्हें कई साल लगे। उन्होंने बताया था कि फिल्मी परिवार से नहीं आने वाले कलाकारों के लिए इंडस्ट्री को समझना अलग अनुभव होता है। फिल्मी परिवारों से जुड़े लोगों को कई बार फिल्मों के बनने, प्रोजेक्ट्स के ट्रैक होने और इंडस्ट्री में काम के अवसरों की जानकारी पहले से मिल जाती है। तारा के मुताबिक, बाहर से आने वाले कलाकारों के लिए ऐसी जानकारियां आसानी से उपलब्ध नहीं होतीं। उन्होंने अपने अनुभव को मुश्किल और कई बार अकेलेपन भरा बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता और दोस्तों का सहयोग उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा। वह अपने परिवार से काम और निजी जीवन से जुड़ी परेशानियों पर बात कर पाती हैं। तारा ने इस बातचीत में बताया कि समय के साथ उन्होंने अपनी पसंद और नापसंद को समझा। अब वह जानती हैं कि किन लोगों के साथ काम करना चाहती हैं और किस तरह के प्रोजेक्ट्स उनके लिए सही हैं।

पोस्टपोन हो सकती है प्रभास स्टारर 'फौजी' की रिलीज डेट

प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' इन दिनों चर्चा में है। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म एक पीरियड एक्शन ड्रामा है। अब खबर है कि फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'निर्माता फिल्म को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक रिलीज की नई डेट की घोषणा नहीं हुई है। 'फौजी' की रिलीज आगे बढ़ाने की एक बड़ी वजह फिल्म का लंबा पोस्ट प्रोडक्शन काम बताया जा रहा है। फिल्म का काफी हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन अभी कुछ हिस्सों की शूटिंग भी बाकी है। प्रभास जल्द ही अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर सकते हैं।

फिल्म में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में हैं

'फौजी' में प्रभास के साथ इमानवी भी लीड रोल में नजर आएंगी। यह उनके लिए खास प्रोजेक्ट है, क्योंकि वह इस फिल्म के जरिए बड़े परदे पर लीड एक्ट्रेस के तौर पर अपनी शुरुआत कर रही हैं।

अगले प्रोजेक्ट में संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं महेश बाबू

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू इन दिनों निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'महेश अब मशहूर फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ काम कर सकते हैं। दोनों के बीच एक फिल्म को लेकर बातचीत होने की खबर सामने आई है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और तेलुगु सिनेमा के बड़े एक्टर पहली बार एक साथ काम करते नजर आ सकते हैं। भंसाली इस फिल्म को बड़े स्तर पर बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं। फिल्म में भव्य सेट, बड़े दृश्य और नाटकीय कहानी देखने को मिल सकती है।

द रेवोल्यूशनरीज के लिए रोहित सराफ ने 15 महीने की कड़ी ट्रेनिंग की

अभिनेता रोहित सराफ अपनी नई वेब सीरीज़ 'द रेवोल्यूशनरीज' को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज़ में वह स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के लिए रोहित ने अपने शरीर को बदलने के लिए करीब 15 महीने तक कड़ी मेहनत और ट्रेनिंग की। इसके अलावा उन्होंने लगभग 3 महीने तक मल्लखंब और कुश्ती जैसी कलाओं की ट्रेनिंग भी ली। रोहित ने बताया कि जब वह पहली बार निर्देशक निखिल आडवाणी से मिले, तो उन्होंने रोहित से कहा था कि उनका शरीर हॉलीवुड अभिनेता ब्रैड पिट जैसा होना चाहिए, जैसा कि फिल्म फाइट क्लब में दिखता है। रोहित ने कहा, 'मैं पहले से एक्टिव और फिट था, लेकिन मैं फाइट क्लब वाले ब्रैड पिट जैसा बिल्कुल नहीं था।' इसलिए उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती अपने शरीर को निर्देशक की कल्पना के मुताबिक बनाना थी। उन्होंने बताया कि ट्रेनिंग काफी कठिन और थकाने वाली थी। वह अपनी ट्रेनिंग के वीडियो लगातार निखिल आडवाणी को भेजते थे। रोहित को सबसे ज्यादा अच्छा यह देखकर लगा कि धीरे-धीरे ट्रेनिंग की वजह से उनके शरीर का लुक और चलने-फिरने का तरीका दोनों बदल रहे थे।

क्या ललित मोदी का किरदार निभाएंगे रणवीर सिंह?

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ललित मोदी की जिंदगी पर एक बड़े बजट की बायोपिक बनाने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण उनके बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत किया जाएगा।

ललित मोदी की जिंदगी के कई पहलुओं पर होगी नजर

फिलहाल यह फिल्म लेखन और डेवलपमेंट स्टेज में है। फिल्म की कहानी, स्टारकास्ट, डायरेक्टर और रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म में ललित मोदी की जिंदगी को सिर्फ विवादों तक सीमित नहीं रखना चाहते। कहानी में उनके निजी जीवन के साथ-साथ उनके प्रोफेशनल सफर को भी दिखाया जाएगा। फिल्म के जरिए ढ्ढक्क के पीछे की सोच और उसे खड़ा करने में ललित मोदी की भूमिका पर भी फोकस किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मेकर्स स्क्रिप्ट पर काफी समय दे रहे हैं, ताकि ललित मोदी की पूरी कहानी को विस्तार से पर्दे पर उतारा जा सके। लेखिका और प्रोड्यूसर स्नेहा राजानी के भी इस बायोपिक के डेवलपमेंट से जुड़े होने की खबर है। खास बात यह है कि जब ललित मोदी ने पहली बार अपनी जिंदगी पर फिल्म बनने की जानकारी दी थी, तब स्नेहा राजानी ही इस प्रोजेक्ट से जुड़ी टीम का नेतृत्व कर रही थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि वह शुरुआत से ही इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल फिल्म की कास्ट को लेकर है। कुछ साल पहले रणवीर सिंह ने लंदन में एक मुलाकात के दौरान ललित मोदी का किरदार पर्दे पर निभाने में दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि रणवीर सिंह को इस बायोपिक के लिए फाइनल किया गया है या नहीं। ललित मोदी ने जून में भी अपनी जिंदगी पर बन रही बायोपिक को लेकर जानकारी साझा की थी। ऐसे में अब इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

खुज्जी विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के शुद्धिकरण अभियान, बीएलओ को दिया गया प्रशिक्षण

स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता शिविर और विशेष तिथियां, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने की अपील

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 77-खुज्जी में मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतनीकरण (अपडेशन) के लिए 5 से 31 अक्टूबर 2026 तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीएल मारकण्डेय के मार्गदर्शन में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन करने और नियमानुसार नाम विलोपन की पूरी प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस अभियान के तहत क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में विशेष जागरूकता एवं आवेदन शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों के माध्यम से विद्यार्थियों और पात्र नागरिकों को मतदाता पंजीयन और डेटा सुधार प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

प्रशासन द्वारा तय किए गए विशेष कार्यक्रम के तहत प्रत्येक बुधवार एवं गुरुवार को सभी बीएलओ अपने-अपने संबंधित मतदान केंद्रों में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे और नागरिकों से आवेदन प्राप्त करेंगे।

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीएल मारकण्डेय ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस विशेष अभियान के दौरान मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के पात्र सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। यदि सूची में किसी प्रकार की त्रुटि हो या नया नाम जुड़वाना हो, तो वे निर्धारित तिथियों पर अपने बूथ के बीएलओ से संपर्क कर आवेदन दें। उन्होंने सभी से मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने के लिए इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया है।

नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों ने चलाया सफाई अभियान

डोंगरगढ़। प्रसिद्ध तीर्थस्थल मां बमलेश्वरी धाम में आयोजित होने वाले वार्षिक डोंगरगढ़ मेले से पूर्व पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़ के विद्यार्थियों ने सामुदायिक सहभागिता की अनूठी मिसाल पेश की है। विद्यालय के कक्षा नौवीं के छात्रों, कम्युनिटी क्लब और राष्ट्रीय सेवा योजना (ठरर) की टीम ने संयुक्त रूप से मंदिर प्रांगण में वृहद स्वच्छता कार्यक्रम चलाकर श्रद्धालुओं और स्थानीय दुकानदारों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

शनिवार को छात्रों ने अभियान की शुरूआत मां बमलेश्वरी के छोटे मंदिर प्रांगण से की। परिसर की गहन सफाई के बाद विद्यार्थियों ने पार्किंग स्थल पर बिखरी प्लास्टिक की थैलियों और कचरे को एकत्र कर निस्तारित किया। इस दौरान छात्रों ने मेले में दुकानें लगाने वाले व्यापारियों और आम लोगों को वर्तमान समय की ज्वलंत समस्या ह्यसिंगल यूज प्लास्टिकह्न के खतरों के प्रति आगाह किया तथा इसके उचित निस्तारण की समझाइश दी। अभियान के दौरान कम्युनिटी क्लब के प्रभारी एवं उप प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने छात्रों और श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्लास्टिक कचरा आने वाले समय में पर्यावरण और मानव जीवन के लिए एक भीषण संकट बन चुका है। समय रहते यदि इसके उपयोग पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। वहीं, खेल शिक्षक एवं एनएसएस इकाई के प्रभारी अनिल कुमार पाल के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों ने कम्युनिटी क्लब के साथ हाथ मिलाकर पूरे उत्साह से सफाई कार्य में श्रमदान किया। स्वच्छता अभियान में कक्षा नौवीं के छात्र देवांश डोंगरे, दर्शील खोबरागड़े, गिरवर, कौस्तुभ, आर्यन, अनुज, श्रीदेव, दामन, आदित्य, हर्ष, टिकेंद्र, तरुण, पीयूष, जितेश, वेद प्रकाश, नैतिक सहित अनेक विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

खास खबर

मंदिर, दुर्गा पंडाल के आसपास नहीं लगेगी अंडा-बिरयानी की दुकानें

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने क्वांर नवरात्रि को लेकर शहर के अलग-अलग स्थानों पर अंडा, बिरयानी जैसे दुकानो का व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों के साथ एक बैठक आयोजित की। नवरात्रि के पावन अवसर पर कवर्धा नगर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक भावनाओं की महत्ता को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा आयोजित बैठक में व्यापारियों ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि नवरात्रि पर्व के अवसर पर मंदिर क्षेत्र के आसपास दुकानें बंद रखने एवं निर्धारित स्थल में दुकान संचालित करने निर्णय लिया गया।

नगर पालिका अध्यक्ष ने अंडा बिरयानी की दुकान लगाने वाले व्यवसासियों के साथ बैठक कर नवरात्रि पर्व में व्यवसाय संचालन को लेकर चर्चा की। कवर्धा के लोग नवरात्रि के नौ दिनों को पूर्ण पवित्रता और आस्था के साथ मनाते हैं इस हेतु आज उन्होनें बैठक में बताया कि नवरात्रि पर्व हमारे कवर्धा शहर की आत्मा है। धर्म नगरी तथा देवभूमि के रूप में प्रसिद्ध कवर्धा माँ विंध्यवासिनी, माँ महामाया, माँ दंतेश्वरी और माँ सिंहवाहिनी व अन्य देवी-देवताओं का साक्षात वास है। उन्होनें बैठक में कहा कि नगर के सभी नागरिक माँ दुर्गा के नौ रूपों के दर्शन सात्विक व धार्मिक वातावरण में कर सकें और पूरे नगर का माहौल श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण बना रहे।

व्यापारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इस पवित्र त्यौहार की गरिमा को ध्यान में रखते हेतु अंडा बिरयानी की दुकान नवरात्रि पर्व में मंदिर क्षेत्र के आसपास नही लगाने का आश्वासन दिया। सभी उपस्थित व्यवसायियों ने कहा कि नवरात्रि पर्व पर दुकान लगाये जाने हेतु नगर पालिका द्वारा अस्थायी तौर पर निर्धारित स्थल पर ही दुकान लगाया जायेगा। इस निर्णय से कवर्धा नगर की धार्मिक गरिमा सामाजिक सौहार्द और आस्था की रक्षा हो सकेगी। नवरात्रि के दौरान नगर का वातावरण भक्ति और श्रद्धा से पूर्ण रहेगा। भक्तजन निश्चिंत होकर मंदिर दर्शन एवं पूजा-अर्चना में सम्मिलित हो सकेंगे। बैठक में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी के साथ पार्षद संजीव कुर्रे, एल्डरमेन राजेन्द्र सलूजा एवं व्यापारी उपस्थित थे।

जिले की महत्वपूर्ण पहल : 104 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित, उत्कृष्ट पंचायतों को मिला सम्मान

मोहला। जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला अस्पताल मोहला में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाना, संभावित मरीजों की समय पर पहचान एवं जांच सुनिश्चित करना तथा उपचार के माध्यम से टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करना रहा।

टीबी उन्मूलन अभियान को ग्राम स्तर तक प्रभावी बनाने के लिए प्रत्येक ब्लॉक में अधिकारियों की टीम गठित की गई है। इन टीमों को ग्राम पंचायतों की प्रगति की निगरानी करने तथा आवश्यक सहयोग प्रदान करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसका उद्देश्य प्रत्येक ग्राम पंचायत में टीबी नियंत्रण एवं उन्मूलन से संबंधित गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाना है। कार्यक्रम में अध्यक्ष जिला पंचायत नम्रता सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर मिथिलेश डोंडे, संयुक्त कलेक्टर समीर गर्ग एवं डिप्टी कलेक्टर रजक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, मितानिनों एवं एनसीसी विद्यार्थियों ने भी सक्रिय सहभागिता रही। वर्ष 2025 में जिले की 104 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया है। टीबी उन्मूलन की दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को सम्मानित करते हुए उन्हें टीबी मुक्त ग्राम पंचायत प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

अपर कलेक्टर मारकण्डेय ने किया पदयात्री मार्ग और सेवा पंडालों का औचक निरीक्षण

क्वांर नवरात्रि पदयात्री श्रद्धालुओं की सुविधाओं का लिया जायजा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कौशल एवं जिला दण्डाधिकारी जितेन्द्र यादव के निदेर्शानुसार डोंगरगढ़ में आयोजित क्वांर नवरात्रि पर्व के दौरान मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय ने डोंगरगढ़ जाने वाले मुख्य पदयात्री मार्ग और रास्ते में विभिन्न स्थानों पर लगाए गए सेवा पंडालों का औचक निरीक्षण किया।हिंदू ग्रंथ पढ़ें अपर कलेक्टर ने पंडालों में विश्राम कर रहे पदयात्रियों से सीधे चर्चा की और उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने मैदानी स्तर पर चाक-चौबंद व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं पर जोर

निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री मारकण्डेय ने सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पदयात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए आवश्यकतानुसार मार्ग में उचित बैरिकेडिंग कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने निम्नलिखित व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त रखने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाएं: पंडालों में तैनात स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल स्टॉफ की उपस्थिति और वहां उपलब्ध जीवन रक्षक दवाइयों व फर्स्ट-एड्स की जानकारी ली।

पेयजल और साफ-सफाई: पदयात्रियों के लिए शुद्ध पेयजल, निरंतर साफ-सफाई और अस्थायी शौचालयों की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश।

विश्राम और भोजन व्यवस्था: पदयात्रियों के लिए की गई विश्राम व्यवस्था, चाय-नाश्ता और भोजन वितरण कार्यों का अवलोकन किया।

क्वार नवरात्रि के इस पावन अवसर पर अंजोरा से लेकर डोंगरगढ़ तक पदयात्री मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा सेवा पंडाल स्थापित किए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं को लगातार सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए छत्तीसगढ़ सहित देश के दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु डोंगरगढ़ पहुंच रहे हैं।

इस निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर के साथ डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी, जनपद पंचायत राजनांदगांव के सीईओ मनीष साहू तथा स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पालन करें और किसी भी असुविधा की स्थिति में प्रशासनिक सहायता केंद्रों से संपर्क करें।

डोंगरगढ़ नवरात्रि मेले में व्यवस्था संभालेंगे 19 कार्यपालिक दंडाधिकारी

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ में क्वांर नवरात्रि मेले के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने 19 अधिकारियों एवं कार्यपालिक दंडाधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। ये अधिकारी 11 से 20 अक्टूबर तक विभिन्न मेला स्थलों पर तैनात रहेंगे। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जारी आदेश के अनुसार अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सीएल मार्कण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए संपूर्ण डोंगरगढ़ क्षेत्र सहित नीचे मंदिर, रोपवे स्थल, ऊपर मंदिर, छीरपानी और रेलवे स्टेशन में अधिकारियों की तैनाती की गई है।

संपूर्ण डोंगरगढ़ क्षेत्र में अनुविभागीय दंडाधिकारी अक्षय दोसी की ड्यूटी 11 से 20 अक्टूबर तक लगाई गई है। उनके सहयोग के लिए डिप्टी कलेक्टर श्रीकांत कोराम 11 से 13 अक्टूबर, अभिषेक तिवारी 14 से 16 अक्टूबर और अनिकेत साहू 17 से 20 अक्टूबर तक तैनात रहेंगे। नीचे मंदिर में तहसीलदार चितेश देवांगन की 11 से 13 अक्टूबर, तहसीलदार नीलकंठ जनबंधु की 14 से 16 अक्टूबर और तहसीलदार कमल किशोर साहू की 17 से 20 अक्टूबर तक ड्यूटी लगाई गई है। रोपवे स्थल पर नायब तहसीलदार रामलखन चौहान 11 से 13 अक्टूबर, गंगाधर राव 14 से 16 अक्टूबर और तहसीलदार सोनित भेड़िया 17 से 20 अक्टूबर तक व्यवस्था संभालेंगे। ऊपर मंदिर में नायब तहसीलदार चिराग रामटेके की 11 से 13 अक्टूबर, राकेश नागवंशी की 14 से 16 अक्टूबर और सत्यपाल सिंह यादव की 17 से 20 अक्टूबर तक ड्यूटी रहेगी। इसी तरह छीरपानी में तहसीलदार आकांक्षा साहू 11 से 13 अक्टूबर, नायब तहसीलदार राजेश नेताम 14 से 16 अक्टूबर और झरना राजपूत 17 से 20 अक्टूबर तक तैनात रहेंगी। रेलवे स्टेशन डोंगरगढ़ में नायब तहसीलदार जगदेव प्रसाद खुंटे की 11 से 13 अक्टूबर, अब्दुल वसीम सिद्दकी की 14 से 16 अक्टूबर और मेघा जैन की 17 से 20 अक्टूबर तक ड्यूटी लगाई गई है। जिला प्रशासन ने मेले के दौरान शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह व्यवस्था की है।

अवैध रूप से शराब परिवहन करते हुए देशी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव जिले में अवैध मादक पदार्थो और अवैध शराब की तस्करी पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में साइबर टीम और पुलिस चौकी चिचोला की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रंगीटोला शराब दुकान के पास अवैध रूप से बिक्री के लिए ले जाए जा रहे 115 पौवा देशी शराब के साथ एक आरोपी को धर दबोचा है।शो टाइम देखें

पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केसरीनंदन नायक के मार्गदर्शन में पुलिस चौकी चिचोला क्षेत्र में लगातार पेट्रोलिंग और निगरानी रखी जा रही है। 11 अक्टूबर 2026 को पुलिस टीम गश्त और अपराध पतासाजी के दौरान चिचोला बस स्टैंड के पास मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति रंगीटोला स्थित चिचोला शराब दुकान के पास काई रंग के कपड़े के थैले में भारी मात्रा में शराब भरकर अवैध रूप से बिक्री के लिए ले जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और हुलिए के आधार पर एक संदिग्ध को दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम शालु मरकाम पिता कमलेश मरकाम, उम्र 19 वर्ष, निवासी देवारपारा, बापूटोला, पुलिस चौकी चिचोला, थाना छुरिया, जिला राजनांदगांव बताया। आरोपी के कब्जे से काई रंग के थैले की विधिवत तलाशी लेने पर शोले देशी प्लेन मदिरा के कुल 115 पौवा बरामद किए गए। जप्त की गई कुल शराब की मात्रा 20.700 बल्क लीटर है, जिसकी बाजारपेठ में कुल कीमत 9,200 रुपये आंकी गई है।

आरोपी से शराब के वैध दस्तावेज मांगे जाने पर वह कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इस पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत अपराध क्रमांक 195/2026 पंजीबद्ध कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया। इसके पश्चात आरोपी को माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, डोंगरगढ़ के न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में आगे की विवेचना जारी है। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने में सहायक उपनिरीक्षक बिरेंद्र नाविक, प्रधान आरक्षक हरन लाल जगनीत, आरक्षक कार्तिक यादव और आरक्षक विष्णु साहू की सराहनीय भूमिका रही।

91 मनोकामना ज्योति कलशों की रोशनी से जगमगाया शक्तिधाम

महाकाली मंदिर में शुरू हुआ क्वांर नवरात्र का भव्य पर्व

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

धर्मनगरी राजनांदगांव के बाबू टोला (वार्ड क्रमांक-1) स्थित शक्तिधाम अघोर शोध एवं जनकल्याण आश्रम महाकाली मंदिर में शारदीय (क्वांर) नवरात्र का शुभारंभ अत्यंत ही भक्तिमय और दिव्य वातावरण में हुआ है। इस वर्ष मंदिर में कुल 91 मनोकामना ज्योत कलश प्रज्ज्वलित किए गए हैं, जिनकी पावन रोशनी से पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठा है। हर साल की तुलना में इस बार भक्तों की संख्या और उनके उत्साह में भारी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। नवरात्र के पहले दिन ही मां महाकाली के दर्शन और पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

इस बार मंदिर समिति द्वारा गौ माता के संवर्धन, संरक्षण और उनकी महत्ता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक अनूठी पहल की गई है। इसके तहत मंदिर परिसर में तीन दिवसीय कामधेनु महायज्ञ एवं गौ कथा का आयोजन किया जा रहा है, जो राजनांदगांव जिले में अपने आप में पहला आयोजन है। इस धार्मिक अनुष्ठान को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

मंदिर के प्रमुख हरीश यादव ने बताया कि इस वर्ष प्रज्ज्वलित 91 मनोकामना ज्योतों में दुर्ग, भिलाई, रायपुर, बिलासपुर, उत्तर प्रदेश तथा विभिन्न वनांचल क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था प्रकट की है। दूर-दराज से आए भक्त यहां पहुंचकर मां महाकाली के दरबार में अपनी मनोकामनाएं पूरी होने की प्रार्थना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर समिति ने सुरक्षा, साफ-सफाई और सुगम दर्शन के पुख्ता इंतजाम किए हैं। कामधेनु महायज्ञ के तहत आम जनता को आस्था से जोड़ने के लिए एक मुट्ठी चावल का दान, गौ माता का सम्मान अभियान की शुरूआत की गई है। इसके लिए एक विशेष आयोजन समिति का गठन किया गया है, जो शहर के प्रत्येक वार्ड में जाकर मातृशक्ति के सक्रिय सहयोग से घर-घर से चावल एकत्रित कर रही है।

शारदीय नवरात्र के इन नौ दिनों में महाकाली मंदिर शक्तिधाम में होने वाले विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों से पूरा क्षेत्र भक्ति के रंग में सराबोर हो गया है।

बैठक — अवैध धान के परिवहन व भंडारण पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश, धान उठाव की व्यवस्था पर भी हुई चर्चा

किसानों की सुविधा और उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करें : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीदी की तैयारियों को लेकर जिला कार्यालय के वीसी कक्ष में कलेक्टर तनुजा सलाम ने संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में धान उपार्जन से संबंधित तैयारियों की समीक्षा करते हुए विस्तृत कार्ययोजना की जानकारी ली।

कलेक्टर ने जिले में धान खरीदी की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए किसान पंजीयन, उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था, धान खरीदी समितियों की तैयारियों सहित उपार्जन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी उपार्जन केंद्रों पर किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी धान उपार्जन केंद्रों में साफ-सफाई, पेयजल, छांव, किसानों के बैठने की समुचित व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने उपार्जन केंद्रों के लिए निर्धारित स्थानों एवं वहां की व्यवस्थाओं का समय रहते निरीक्षण कर कमियों को दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों एवं संबंधित समितियों की तैयारियों की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो और पूरी व्यवस्था सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संचालित हो, यह सुनिश्चित किया जाए। किसान पंजीयन से संबंधित कार्यों को भी समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला विपणन अधिकारी, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, उप पंजीयक सहकारिता, प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम एवं मंडी सचिव बांधाबाजार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में अवैध धान के परिवहन, भंडारण एवं बिक्री पर रोक लगाने के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी रखने तथा अवैध धान की आवक को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीमावर्ती क्षेत्रों एवं संभावित संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने के भी निर्देश दिए।

धान खरीदी के बाद उपार्जन केंद्रों से धान के समय पर उठाव एवं परिवहन की व्यवस्था की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीदी के बाद धान का उठाव व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाए, ताकि उपार्जन केंद्रों पर अनावश्यक रूप से धान का भंडारण न हो और आगामी खरीदी कार्य प्रभावित न हो। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनाने के निर्देश दिए।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशेष व्याख्यान का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा कॉन्फ्लुएंस कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन राजनांदगांव में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. बीके बनर्जी द्वारा मानसिक स्वास्थ्य विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि मानसिक बीमारी कमजोरी नहीं, बल्कि एक सामान्य चिकित्सीय स्थिति है, जिसका उपचार संभव है।

कार्यक्रम में बीएड के विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, परीक्षा का तनाव, डिप्रेशन, आत्महत्या की रोकथाम एवं सकारात्मक जीवनशैली पर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के बाद जिला मानसिक स्वास्थ्य टीम एवं कॉन्फ्लुएंस कॉलेज द्वारा ग्राम पार्रिकला में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता रैली निकाली गई। छात्र-छात्राओं द्वारा मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन किया गया। ग्रामीणों को मानसिक रोगियों के प्रति भेदभाव नहीं करने एवं सहयोग करने की शपथ दिलाई गई। घर-घर जाकर टेली-मानस टोल-फ्री नंबर 14416 के पाम्पलेट्स का वितरण किया गया। कार्यक्रम में जिला मानसिक स्वास्थ्य टीम, कॉन्फ्लुएंस कॉलेज के प्राध्यापक एवं कर्मचारी, विद्यार्थी तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

सोलह दूनी आठ — नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

खेत खाए गदहा और

सुशासन सरकार में डिप्टी सीएम सर उत्तर छत्तीसगढ़ के दौरे पर गए। स्कूटी पर घुमे, कचरा गंदगी दिखी तो फटकार लगाए। सड़क पर गड़बड़ी मिली तो डांट लगाए। अब मिनिस्टर सर कहीं दौरे पर जाएं तो ये सब होना भी चाहिए। यही तो वो भ्रम है जो जितनी खूबसूरती से हो उतना यकीन जनता को होता है कि सरकार शानदार है, मंत्री जी विकट तेज हैं और सिस्टम एकदम ठीक होगा। लेकिन एक जगह मामला गड़बड़ हो गया ।डिप्टी सीएम सर दौरा करते वहां पहुँचे जहां ब्लॉक लेवल खेलकूद प्रतियोगिता होनी थी। सफाई और व्यवस्था का हाल वाकई बुरा था, तो मिनिस्टर सर भड़क गए। अब आप कहेंगे कि फिर इसमें गड़बड़ क्या हुआ तो गड़बड़ बस ये हुआ कि ग्राउंड तैयार करने व्यवस्था का ज़िम्मा था पीडब्ल्यूडी डिपार्टमेंट को, और मिनिस्टर सर से फटकार पड़ गई बीईओ साहब को। याने खेत खाया गदहा और मार खाया जुलाहा।

मंत्री जी अपना ही विभाग देखिए

एक मिनिस्टर सर और उनके निजी स्टाफ को लेकर लगातार लिखा या कि लिखवाया जा रहा है ।इसी लिखवाओ छपवाओ के फेर में मिनिस्टर के पर्सनल स्टाफ के कुछ लोगों की पहले भी गिल्ली उड़ चुकी है। मिनिस्टर सर खोज रहे हैं कि बार बार क्यों हो रहा है लेकिन खोज करते हुए वे अपने ही एक डिपार्टमेंट की ओर नहीं देख रहे हैं। अफवाह है कि इस तरीके के आयोजित प्रायोजित खबरों का परिवहन उसी डिपार्टमेंट से हो रहा है। हालाँकि ये मिनिस्टर सर का टेंशन है कि जो हो रहा है वह क्यों हो रहा है और कौन करा रहा है, सहाफी का भला इससे क्या लेना देना है, तो सहाफी कुछ नहीं लिख रहा है, यदि कोई बात लिखा गई है तो उसे अफवाह मान खारिज करिएगा मंत्रीजी।

इनका क्या कुसूर

रापुसे से भापुसे जाने का सपना कहीं सपना ही रह जाएगा क्या! यह बात दस रापुसे वालों को सता रही है, उसके पीछे माकूल वजह है। दरअसल दस पद हैं जो राज्य पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा के हैं। अब इसके लिए योग्य की कमी नहीं है लेकिन विकट लोचा फँस गया है। मसला ये हुआ है कि इस दस की लिस्ट में महिला अफसर भी हैं और जिसे इनका सीआर लिखना है। वह अफसर प्रतिनियुक्ति पर है। अब ये भी है कि नाराज होने की वजह से वह अफसर सीआर नहीं लिख रहा है। अब इस एक के फेर में बाकियों का मसला भी अटक गया है ।लेकिन लोग लगे जुटे भिड़े हैं कि साहब सीआर का मसला क्लियर कर दो ताकि इधर का मसला भी क्लियर हो जाए।

अनुकरणीय

सूरजपुर में पुलिस परिवार के साथ हुई अमानुषिक घटना में अपराधियों को फाँसी की सजा हुई। यह वह मामला था जहां प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य नहीं था लेकिन फिर भी परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की कड़ी इतनी कुशलता से कोर्ट के सामने रखी गई कि, उन्हें कोर्ट ने संदेह से परे माना और सजा दे दी। जिन्हें विवेचना की समझ है, उन्हे मुकम्मल पता है कि यह कितना कठिन और जटिल काम है। इस मसले को लेकर एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार पुलिस परिवार का दिल जीत ले गए हैं। अव्वल तो वो शुरू से ही हर स्तर पर मॉनिटरिंग करते रहे। स्पेशल प्रॉसीक्यूटर, चार्जशीट से लेकर गवाहों के बयान सब पर लगातार नजर बनी रही। जैसे ही फैसला आया, एडीजी इंटेलिजेंस अमित कुमार का फोन विवेचना अधिकारी के पास गया और उन्होंने आईओ को शाबाशी दी, और शानदार विवेचना के लिए उसे सराहा। इसके ठीक बाद अगला फोन उस पीड़ित हवलदार के पास गया। पीड़ित हवलदार बेहद भावुक मानस के साथ था। आईपीएस अमित कुमार ने उसे कहा-'यह मत सोचना कि हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट में महकमा साथ नहीं रहेगा। हम वहां भी पूरी ताकत से रहेंगे ताकि अपराधी को वह सजा मिले जो कि उसे हुई है।' यह बात इस कॉलम में जो कि सटायर का कॉलम है वहां इसलिए लिखी जा रही है क्योंकि यह प्रवृत्ति यह व्यवहार विलुप्त है ।जबकि महकमे को सबसे ज्यादा जरुरत इसी व्यवहार की है।

ए दे ले!

झक्कड़ बाबा सहाफी से टकराए और बताए कि सुनो सहाफी पुलिस महकमे में एक कागज की चर्चा है। यह कागज कह रहा है कि, तीन ठो साहब लोग को डीजी पर प्रमोट ना किया जाए। सहाफी से झक्कड़ बाबा ने आगे एक साँस में बताया - 'अब ये कागज जिसने उड़ाया वह अपरिचित नहीं है ।ये जंतु वही है जिसके बारे में मशहूर है कि जो इसका भला करेगा वह अपनी दुर्गति को प्राप्त होता ही है। बहरहाल इस कागज से क्या बनता बिगड़ता है लेकिन तीन में से एक साहब इससे सबसे ज्यादा दुखी हैं। दुखी होने का मसला बनता भी है। जब जंतु को कोई नहीं पूछता था तो यही साहब उसे घंटों चैंबर में बैठाकर लंच का भी ख़्याल करते थे। इन साहब का मानना था कि जंतु को लेकर कहीं जाने वाली बात अफवाह हैं, भला करेंगे तो बुरा क्यों होगा। लेकिन साहब, जब श्राप ब्रम्हहत्या से उद्धूत हो तो असर क्यों नहीं दिखाएगा।'

मितव्ययिता

सरकार खर्चों को कम करने दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। चुंकि जनता के लिए उत्तरादायी भाव से सराबोर सरकार है तो अपने इन नन्हे गिलहरी प्रयास का प्रचार प्रसार करने से शरमाती है। अफवाहें हैं कि मंत्रालय में कॉफी हाउस बंद हुआ मसला सब्सिडी का था। अब बसों का मसला भी उसी गति से उसी कतार में पहुँचने वाला है। गरीब जनता का प्रदेश है तो सरकार सब्सिडी सिस्टम को खत्म नहीं करेगी तो जनसेवा का संकल्प पूरे अनुशासन से कैसे लागू होगा। इसे लागू करने का भी एक सिस्टम है। जैसे अफवाहबाज ने सहाफी को समझाया है कि ये सिस्टम क्या है और कैसे काम करेगा या कि करता है। तो सिस्टम ये है कि पहले खटारा बताकर बस ही बंद कर दो। फिर चीख पुकार बवाल टंटा कटेगा। कर्मचारी बताएँगे कि बताईए इतना दूर पड़ता है बस की सुविधा तो फिर से शुरू करनी ही चाहिए। तब सुशासन की प्यारी न्यारी सरकार मुस्कुरा कर कहेगी कि अरे आप लोगों के लिए ही तो सरकार है। चलिए बस शुरू करा देते हैं लेकिन वो जो सब्सिडी याने पास का मसला है उस को थोड़ा देखना पड़ेगा। और अंततः उसे देख लिया जाएगा ।लेकिन कोई अफवाह बाज कोई जलनखोर चाहे जो कहें पर अपने राम सरकार के हर कदम हर सोच के साथ थे हैं और रहेंगे।

पता कैसे चलेगा

इसी हफ़्ते के आखिरी आखिरी खबर बहुत जोर से छपी कि, तीन जनपद सीईओ को सस्पेंड कर दिया गया है। वो तीन जनपद सीईओ इसलिए सस्पेंड हुए कि ट्रांसफर ऑर्डर के बाद भी निचले स्तर के कर्मचारी अधिकारी को रिलीव नहीं किए थे। ऐसी खबरें जोर से छपनी भी चाहिए। सस्पेंड जैसी कार्यवाही ही तो मैंगो पीपुल को बताती है कि जो सरकार आपने चुनी या नहीं चुनी वह सरकार काम कर रही है, इसलिए उसे पूरे जोर से छपना ही चाहिए। अब उंगलीबाज उस ओर ध्यान दिला रहे हैं जिसका कोई मतलब नहीं है। उंगलीबाजों की उँगली जिस ओर है उस पर यह सवाल है कि -'मालिक! माईबाप लोग! ये सरकार के होने का जो सर्टिफि केट सस्पेंड करने के मामले में साबित हुआ है यह छोटे गरीब लोगों पर ही क्यों ? जिला पंचायतों में मिनिस्टर एमएलए के फोन आते हैं तो यही होता है। उन पर सरकार की नजरें इनायत क्यों नहीं ?'

छोटा छतरी का मोबाइल

कमिश्नरी पुलिस छोटे छतरी की तलाश में जुटी है। दूसरे राज्यों तक में पहुंच के छापामारी चल रही है लेकिन छोटा छतरी मिल ही नहीं रहा है। चलिए एक दिन मिल ही जाएगा। पर मसला अब उससे आगे का है। महकमे के एक बड़े साहब को पता लग गया है कि, छोटा छतरी के मोबाइल जप्त हैं। इन बड़े साहब ने कहा है इस यंत्र का नियमानुसार अध्ययन करो ताकि कितने टीआई हवलदार छोटा छतरी के सच्चे दोस्त हैं सब पता चले।

तेज रफ्तार बाइक और हॉर्न से श्रद्धालुओं को परेशान कर रहे तीन युवक गिरफ्तार, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / डोंगरगढ़

क्वांर नवरात्रि के दौरान मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को परेशान करने वाले तीन युवकों के खिलाफ डोंगरगढ़ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। पुलिस ने तीनों को धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के दिशा-निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी केशरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी सुमन जायसवाल एवं रामेश्वर प्रसाद देशमुख के नेतृत्व में शांति व्यवस्था के लिए लगातार निगरानी की जा रही थी। 10 अक्टूबर को नवरात्रि के दौरान अनावेदक नुकेश यादव पिता दशरथ यादव उम्र 22 वर्ष निवासी आरी, आकाश ठाकुर पिता फागूराम ठाकुर उम्र 19 वर्ष निवासी आरी और हरपीत पटेल पिता चुरावन पटेल निवासी झिटिया एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर तेज रफ्तार में हॉर्न बजाते हुए मंदिर परिसर में घूम रहे थे। इससे दर्शन करने आए श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही थी। श्रद्धालुओं ने मना किया तो तीनों विवाद करने लगे। मंदिर में मौजूद पुलिस स्टाफ और लोगों ने समझाइश देने की कोशिश की तो वे आक्रोशित होकर मारपीट पर उतारू हो गए, जिससे मंदिर परिसर में शांति व्यवस्था भंग होने की स्थिति बन गई। इसके बाद डोंगरगढ़ पुलिस ने तीनों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया। डोंगरगढ़ पुलिस ने आम नागरिकों और दर्शनार्थियों से अपील की है कि धार्मिक स्थलों पर शांति एवं अनुशासन बनाए रखें।

बेमेतरा : वार्ड नंबर 8 कृष्णा विहार कॉलोनी में नवरात्रि की तैयारी, पार्षद की पहल पर हुई साफ-सफाई

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

वार्ड नंबर 8 कृष्णा विहार कॉलोनी में शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर माँ दुर्गा की प्रतिमा विराजमान होने जा रही है। इसे लेकर कॉलोनी में तैयारी शुरू हो गई है। पार्षद श्रीमती चांदनी रोशन दत्ता की सक्रियता से दुर्गा मंच के आसपास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। मंच के आसपास कचरा हटाकर झाड़ू लगाकर सड़क की सफाई की गई। साथ ही ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और चूना मार्किंग का कार्य कराया गया।

इसी कड़ी में शिव मंदिर परिसर में ब्लीचिंग पाउडर डलवाया गया, कृष्णा विहार गेट के पास नाली में ब्लीचिंग पाउडर और चूना मार्किंग तथा रायपुर रोड गेट के पास चूना मार्किंग का कार्य कराया गया। पार्षद की इस पहल से कॉलोनीवासियों में हर्ष है और नवरात्रि की तैयारी को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

दुर्ग पुलिस में AI की एंट्री: थानों के रीडर्स को दिया गया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रैक्टिकल प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग पुलिस अब आधुनिक पुलिसिंग की ओर कदम बढ़ा रही है। पुलिस अधीक्षक दुर्ग के विजन और मार्गदर्शन में जिले के सभी थानों और कार्यालयों में पदस्थ रीडर्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के व्यावहारिक उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर-6 भिलाई में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) और रेंज साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन के उप निरीक्षक ने पुलिसकर्मियों को अकके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि कैसे अक की मदद से शासकीय पत्र, प्रेस विज्ञप्ति, प्रतिवेदन, बैठक की कार्यवाही और लंबे दस्तावेजों का सारांश कम समय में तैयार किया जा सकता है।

तकनीक के साथ गोपनीयता पर जोर : प्रशिक्षण में बताया गया कि अकसे बेहतर परिणाम के लिए स्पष्ट और सटीक निर्देश देना जरूरी है। साथ ही मीडिया और सोशल मीडिया के लिए फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी और वीडियो बाइट रिकॉर्ड करने से पहले तथ्यों और कैप्शन की जांच कैसे करें, इस पर भी जानकारी दी गई।

पुलिस ने अकके सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग पर विशेष जोर दिया। प्रशिक्षण में स्पष्ट कहा गया कि केस डायरी, विवेचना से जुड़े गोपनीय विवरण, पीड़ितों और मुखबिरों की पहचान जैसी संवेदनशील जानकारी को कभी भी सार्वजनिक अकटूल पर साझा नहीं करना है। अकसे तैयार किसी भी दस्तावेज का उपयोग करने से पहले तथ्यों, कानूनी प्रावधानों का सत्यापन करना और विभागीय प्रक्रिया का पालन करना अनिवार्य होगा।

दुर्ग पुलिस का कहना है कि AI का उद्देश्य पुलिस के दैनिक कार्यों को अधिक सरल, व्यवस्थित और समयबद्ध बनाना है, लेकिन अंतिम दस्तावेज की तथ्यात्मक शुद्धता और गोपनीयता की पूरी जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की ही रहेगी।

IIIE भिलाई चैप्टर की बैठक संपन्न, बीएसपी के पूर्व MD विनोद अरोरा को मिला फेलोशिप अवॉर्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कार्यरत राष्ट्रीय संस्था इंडियन इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग भिलाई चैप्टर की महत्वपूर्ण बैठक भिलाई निवास कॉफी हाउस के सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जानकारी दी गई कि भिलाई इस्पात संयंत्र के पूर्व एमडी विनोद कुमार अरोरा को उनके विशिष्ट योगदान के लिए संस्था द्वारा प्रतिष्ठित "फेलोशिप" अवॉर्ड प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि पर भिलाई चैप्टर ने उनका सम्मान किया। इस अवसर पर चैप्टर के चेयरमैन के. पटेल, वाइस चेयरमैन घनश्याम कुमार देवांगन, सेक्रेटरी अवनीश दुबे, वीमॉम के चेयरमैन व एमडी शिशिर टमोटिया, विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम रायगढ़ के चेयरमैन एस.वी. नंदनवार एवं भिलाई के चेयरमैन अनिल चौहान विशेष रूप से उपस्थित थे।

पूर्व एमडी विनोद कुमार अरोरा ने सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भिलाई चैप्टर की सक्रियता सराहनीय है।

उपभोक्ता अधिकारों और गांधीवादी विचारों पर चर्चा : बैठक में एस.वी. नंदनवार और अनिल चौहान ने विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की जानकारी दी और बताया कि उपभोक्ताओं को तय समय सीमा में शिकायत निवारण और गुणवत्तापूर्ण सेवा पाने का अधिकार है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की भी जानकारी दी गई। प्रसिद्ध गांधीवादी विचारक शिशिर टमोटिया ने गांधीवादी दृष्टिकोण, समय प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, जैविक खाद और स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे।

चेयरमैन के. पटेल ने बताया कि आगामी दिनों में नगर निगम भिलाई और कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के सहयोग से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पर "वेस्ट टू वंडर" कार्यशाला आयोजित की जाएगी। वाइस चेयरमैन घनश्याम देवांगन ने समाज में समय प्रबंधन से आए बदलावों पर प्रकाश डाला। सेक्रेटरी अवनीश दुबे ने आय-व्यय की जानकारी दी और बताया कि यंग इंजीनियर्स को जोड़ने के लिए डिजिटल मेंबरशिप योजना को निशुल्क रखा गया है। बैठक में सीनियर इंजीनियर सुखेती डोगरा, के.के. गुप्ता, संतोष अग्रवाल, देवेन्द्र सिंह ब्रार सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

शादी कराने के नाम पर लोगों को फंसाती थी महिला, गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर में साइबर थाना पुलिस ने शादी का विज्ञापन देकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में एक महिला समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपी राजनांदगांव जिले के रहने वाले हैं। गिरफ्तारी के बाद सभी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले के मुताबिक, साइबर क्राइम पोर्टल पर एक पीड़ित ने शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि शादी कराने का झांसा देकर उससे 6 लाख 65 हजार रुपये की ठगी की गई है। शिकायत मिलने के बाद जांजगीर साइबर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान आरोपियों के राजनांदगांव जिले में रहने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस टीम ने राजनांदगांव पहुंचकर दबिश दी और महिला सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100